Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

मंत्र भारत

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 169
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

लखनऊ-शनिवार,18 अक्टूबर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 अब नेस्ले में भी छंटनी की खबर, कंपनी ने लागत घटाने | 4 एक नायाब साल | 5 लाल परी बन दिवाली पार्टी में शामिल हुई प्रियंका

पीएम ने श्रीलंकाई पीएम और मिस्र के विदेश मंत्री से की मुलाकात

क्षेत्रीय सहयोग पर हुई अहम चर्चा

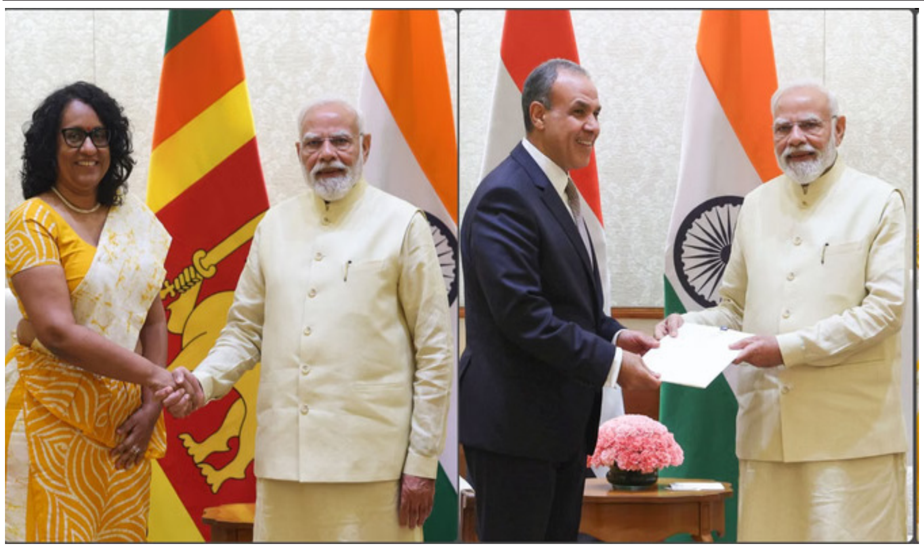

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दो अहम मुलाकातें कीं, एक पड़ोसी देश श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से और दूसरी मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलअती से। इन मुलाकातों को भारत की पड़ोसी और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। श्रीलंका के साथ सहयोग पर चर्चा पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट कर जानकारी दी कि उन्होंने श्रीलंका की प्रधानमंत्री का स्वागत किया और दोनों देशों के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। इसमें शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, नवाचार, विकास सहयोग और मछुआरों के कल्याण जैसे विषय शामिल थे। प्रधानमंत्री ने कहा, 'करीबी पड़ोसी होने के नाते, हमारे सहयोग का हमारे दोनों देशों की समृद्धि और साझा क्षेत्र के विकास में बहुत बड़ा महत्व है।' भारत और श्रीलंका के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्ते लंबे समय से गहरे रहे हैं। हाल के वर्षों में दोनों देश व्यापार, सुरक्षा और क्षेत्रीय सहयोग को लेकर लगातार संवाद बढ़ा रहे हैं। यह मुलाकात उसी कड़ी का अहम हिस्सा मानी जा रही है। मिस्र के विदेश मंत्री से मुलाकात इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलअती से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अब्देल फत्ताह अल-सीसी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने गाजा शांति समझौता में अहम भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक दूसरे पोस्ट में लिखा, 'अपने मित्र राष्ट्रपति सिसी की गाजा शांति समझौते में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए गहरी सराहना व्यक्त की। भारत-मिस्र की रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है, जिससे हमारे लोगों, हमारे साझा क्षेत्र और संपूर्ण मानवता को लाभ मिलेगा।' भारत और मिस्र के बीच रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में पिछले कुछ वर्षों में तेजी आई है। दोनों देश अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी कई मुद्दों पर एक-दूसरे का समर्थन करते रहे हैं। क्षेत्रीय और वैश्विक सहयोग का संदेश इन दोनों मुलाकातों से साफ संकेत जाता है कि भारत पड़ोसी देशों और पश्चिम एशिया के अहम साझेदारों के साथ अपने रिश्ते और गहराने पर जोर दे रहा है। शिक्षा, नवाचार, शांति और क्षेत्रीय सहयोग पर ध्यान देना इस नीति की प्रमुख दिशा है।

स्वदेशी तेजस ने भरी पहली उड़ान,रक्षामंत्री राजनाथ ने प्रॉडक्शन यूनिट का उद्घाटन किया

नासिक (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना को मार्क 1 ए लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में तेजी लाने के मकसद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने महाराष्ट्र के नासिक में तीसरी प्रोडक्शन लाइन शुरू की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसका उद्घाटन किया। नासिक के ओझर की इस फेसिलिटी में बने पहले लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट ने शुक्रवार को पहली उड़ान भरी। इस प्रोडक्शन लाइन के जरिए वायुसेना को 2032-33 तक 180 तेजस विमानों की आपूर्ति करने में मदद करेगी। यहां अभी आठ फाइटर जेट बनाए जा रहे हैं, जिसे बढ़ाकर 10 किया जा सकता है। वायुसेना के लिए तेजस विमान बना रही एचएएल को सितंबर में ही अमेरिका ने इसका चौथा इंजन भेजा था। इस फाइटर जेट की खूबियों में से एक है कि इसके विंग्स (पंखों) में 9 जगह मिसाइलें फिट होती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक हर तेजस मार्क-1ए की औसत कीमत 600 करोड़ रुपए है। फाइटर जेट रफ्तार 2205 किमी,घंटा यानी ध्वनि से भी करीब दोगुनी तेज है। इसका प्रोडक्शन देश की 500 से ज्यादा घेरलू कंपनियों ने मिलकर किया है, इसलिए इसे स्वदेशी तेजस भी कहा जा रहा है। केंद्र ने 19 अगस्त को वायुसेना को 97 तेजस फाइटर जेट खरीदने की हरी झंडी दी थी। इसके बाद 25 सितंबर को रक्षा मंत्रालय ने एचएएल को कॉन्ट्रैक्ट दिया था। केंद्र ने एचएएल के साथ घ्62,370 करोड़ की डील की है। इसे पाकिस्तान बॉर्डर के पास राजस्थान के बीकानेर स्थित नाल एयरबेस पर तैनात करने की योजना है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस जेट में स्वयं रक्षा कवच और कंट्रोल एक्चुएटर होंगे। तेजस मार्क-1। के 65ः से ज्यादा उपकरण भारत में बने हैं। मार्क 1।, सिंगल इंजन वाले तेजस एयरक्राफ्ट का एडवांस वर्जन है।

असम के तिनसुकिया में आतंकवादियों ने आर्मी कैंप पर किया हमला

तिनसुकिया (एजेंसी)। असम के तिनसुकिया जिले में शुक्रवार तड़के काकोपथार इलाके में अज्ञात आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों के शिविर पर गोलीबारी की जिससे सेना के तीन जवान घायल हो गए। एक रक्षा प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, इलाके में आतंकवादियों को गिरफ्तार करने के लिए सेना और पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। सेना के प्रवक्ता ने बताया, देर रात करीब 12.30 बजे अज्ञात आतंकवादियों ने एक चलती गाड़ी से काकोपाथर कंपनी पर गोलीबारी की। ड्यूटी पर तैनात जवानों ने तत्काल और प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान जवानों ने आस-पास के नागरिकों के घरों को किसी भी तरह के नुकसान से बचाने के लिए भी सावधानी बरती। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने सेना की जवाबी कार्रवाई के कारण स्वचालित हथियारों का उपयोग करके गोलीबारीष की और घटनास्थल से भाग निकले। प्रवक्ता ने कहा, तीन जवानों को मामूली खरोंचों के अलावा कोई गंभीर चोट नहीं आई है। इलाके की छानबीन की गई है और पुलिस के साथ समन्वय कर संयुक्त तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। यह क्षेत्र असम और अरुणाचल प्रदेश की अंतर-राज्यीय सीमा के करीब है।

हरियाणा: सीनियर सिटीजन से डिजिटल अरेस्ट कर 1.50 करोड़ रुपए की ठगी, सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के अंबाला में एक सीनियर सिटीजन को डिजिटल अरेस्ट कर 1.50 करोड़ रुपए ठगे जाने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल से कोर्ट की सहायता करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर केंद्र सरकार, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), हरियाणा सरकार और साइबर क्राइम विभाग, अंबाला को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है। कोर्ट ने हरियाणा सरकार और पुलिस अधीक्षक, साइबर क्राइम अंबाला को अब तक की गई जांच की पूरी रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल करने का भी निर्देश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि ऐसे मामलों में जल्द से जल्द कठोर कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जजों के फर्जी हस्ताक्षरों वाले न्यायिक आदेश से न्यायपालिका पर जनता के विश्वास पर गहरी चोट पहुंचती है। कोर्ट ने कहा कि यह मामला कोई अकेला मामला नहीं है। मीडिया में कई बार ऐसी खबरें छपी हैं और देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसी खबरें लगातार आ रही हैं।

पूर्व डीजीपी के वकील बेटे की दवा ओवरडोज से मौत, परिवार को बेसुध मिले

सहारनपुर (एजेंसी)। सहारनपुर के रहने वाले पंजाब के पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा के बेटे अकील की दवा की पंचकूला में ओवरडोज लेने के कारण मौत हो गई। घटना गुरुवार रात को हुई। पुलिस को दिए गए बयान में परिवार के सदस्यों ने बताया कि 35 साल के अकील ने गुरुवार को किसी दवा का सेवन किया था। परिवार के लोगों को वे बेसुध हालत में मिले। इसके बाद उपचार के लिए उन्हें नागरिक अस्पताल में लाया गया, जहां उनको मृत घोषित कर दिया गया। मौत के बाद शव को हरियाणा के पंचकूला सेक्टर-6 स्थित सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां पोस्टमॉर्टम किया गया। परिजन शव को सहारनपुर से लेकर पहुंच गए हैं। इस दौरान हरड़ाखेड़ी गांव में सांसद इमरान मसूद के दामाद शायन मसूद, पूर्व विधायक शशि बाला पुंडीर समेत काफी संख्या में लोग पहुंचे हैं।

रंग-बिरंगी चादरें डालकर जमीन नहीं हड़प सकते जिहादी : धामी

ऊधम सिंह नगर (एजेंसी)। नवनिर्मित भाजपा जिला कार्यालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमारी सरकार ने लैंड जिहादियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। 9000 एकड़ जमीन लैंड जिहादियों से मुक्त कराई है। इसके साथ 250 अवैध मदरसों को सील करने के साथ 500 से अधिक अवैध संरचनाओं को हटाने का काम किया है। देवभूमि में अब कोई भी जिहादी रंग-बिरंगी चादरें डालकर जमीन को नहीं हड़प सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने काशीपुर में बने नव निर्मित भाजपा जिला कार्यालय का हवन पूजन कर लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने कार्यालय में भाषण देते हुए कहा कि उन्होंने कहा कि काशीपुर भाजपा जिला कार्यालय आज पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकताओं को समर्पित किया है, यह गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि देश की कुछ राजनीतिक पार्टी को लगता है कि नेतृत्व उन्हीं के

परिवार की बपौती है, लेकिन भाजपा का एक मात्र सिद्धांत रहा है की नेतृत्व जन्म से नहीं बल्कि कर्म से होता है। सीएम धामी ने कहा कि हमारी सरकार ने नकल विरोधी कानून, लव जिहाद, लैंड जिहाद, भू-कानून, कालनेमि कानून लाकर कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रदेश में कानून तोड़ने वालों, नकल, लव, थूक जिहादियों को कतई नहीं बख्शा जाएगा। इसी के चलते मदरसा बोर्ड को भी समाप्त करने का निर्णय लिया है। इसके परिणाम आने वाले एक वर्ष के अंदर दिखाई देने लगेंगे। एक जुलाई 2026 के बाद ऐसे मदरसों को मान्यता नहीं मिलेगी और उनका पंजीकरण समाप्त कर दिया जाएगा जो हमारे शिक्षा आयोग की ओर से जारी सिलेबस नहीं पढ़ाएंगे। इसके अलावा ऑपरेशन कालनेमि में अभी तक छह हजार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। इस अवसर पर आपदा प्रबंधन उपाध्यक्ष विनय रूहेला, जिलाध्यक्ष मनोज पाल, विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, मेयर दीपक बाली, जनपद प्रभारी पुष्कर काला, पूर्व मेयर उषा चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा, जिला महामंत्री अमित सिंह, राम मेहरोत्रा, खिलेंद्र चौधरी आदि लोग मौजूद रहे। नकल माफिया मेहनत पर नहीं डाल सकेंगे डाका मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि हाल ही में हरिद्वार के एक परीक्षा केंद्र में नकल कराने का प्रकरण सामने आया था।

दीपावली से पहले सीएम योगी ने 5 लाख छात्रों को ट्रांसफर किया स्कॉलरशिप

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर को उद्धृत करते हुए कहा कि पढ़ लिख कर ही हम देश और समाज के लिए कुछ कर सकते हैं। मुख्यमंत्री लखनऊ में आयोजित दशमोत्तर एवं पूर्वदशम छात्रवृत्ति कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार दशमोत्तर एवं पूर्वदशम छात्रवृत्ति कार्यक्रम के अंतर्गत 10,28,205 छात्र,छात्राओं को 297.95 करोड़ रुपये की धनराशि के हस्तांतरण हेतु आयोजित कार्यक्रम में योगी शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2016-17 तक प्रदेश के अंदर केवल 46 लाख विद्यार्थी स्कॉलरशिप का लाभ पाते थे, आज यह

संख्या बढ़कर 62 लाख तक पहुंच गई है।योगी ने कहा कि छात्रवृत्ति का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना है ताकि वे अपनी ऊर्जा से समाज और राष्ट्र के विकास में सार्थक योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि आज लखनऊ में दशमोत्तर एवं पूर्वदशम के 10,28,205 छात्र-छात्राओं को 297.95 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति का अंतरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा संकल्प है कि किसी भी युवा, छात्र-छात्रा, खास तौर पर अनुसूचित जाति और जनजाति व अन्य पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे। उन्होंने दीपावली से पूर्व मिले इस उपहार के लिए सभी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को हृदय से बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। योगी ने कहा बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी बार-बार कहते थे-पढ़-लिखकर ही हम स्वावलंबन का जीवन व्यतीत कर सकते हैं और अपने देश व समाज के लिए कुछ कर सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने बाबा साहब के पढ़ाई के दिनों की चुनौतियों का स्मरण करते हुए कहा आज पैसे की कमी नहीं है, छात्रों-छात्राओं की सुविधा के लिए सरकार ने अनेक कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं। आज अभ्युदय कोचिंग के माध्यम से हर जनपद में बेहतरीन प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पिछले 11 वर्षों में चलाई गई योजनाओं का लाभ देश और प्रदेश को मिला है। योगी ने कहा कि देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से उबरकर सामान्य जीवन जीने का अवसर मिला है और उत्तर प्रदेश के छह करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया है। कार्यक्रम को समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने संबोधित किया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना करते हुए विभाग की सिलसिलेवार उपलब्धियां गिनाईं।

राहुल गांधी ने गुवाहाटी में जुबिन गर्ग को दी श्रद्धांजलि

नाम-कीर्तन में लिया भाग

गुवाहाटी (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को गायक जुबिन गर्ग को गुवाहाटी के बाहरी इलाके सोनापुर में उस स्थान पर श्रद्धांजलि अर्पित की, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया था। राहुल गांधी ने उस मंच पर एक पारंपरिक असमिया दुपट्टा श्गामोसाश तथा पुष्पांजलि अर्पित की, जहां गायक का अंतिम संस्कार किया गया था। उनके साथ असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) महासचिव और असम

प्रभारी जितेंद्र सिंह, असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया और राज्य के पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी थे। जैसे ही राहुल गांधी ने गायक को श्रद्धांजलि दी, वहां मौजूद भीड़ ने नारे लगाए जुबिन को न्याय मिले और जुबिन की जय। राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता जमीन पर बैठे और वहां आयोजित नाम-कीर्तन (प्रार्थना) में भाग लिया। कांग्रेस नेता ने श्मशान घाट पर नाहोर (भारतीय गुलाब शाहबलूत) का पौधा भी लगाया, जिसे गायक बहुत पसंद करते थे। पार्टी के एक नेता ने बताया कि राहुल गांधी नयी दिल्ली रवाना होने से पहले शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करने के लिए गायक के आवास पर भी जाएंगे। जुबिन गर्ग (52) की 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय मृत्यु हो गई थी। 23 सितंबर को गुवाहाटी के पास सोनापुर में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया था। असम सरकार ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया है, जो उनकी मृत्यु के कारणों की जांच कर रही है।

भाजपा ने नीतीश कुमार की पीठ में छुरा घोंपा, जदयू को कमजोर करने की कर रही कोशिश: उदित राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता उदित राज ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के फतेहपुर दौरे को लेकर कहा कि वह गरीब, दलित, पिछड़े समुदाय और आदिवासियों के लिए एकमात्र सहारा हैं। न्यूज एजेंसी से बातचीत में उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी इन गरीब और उत्पीड़ित लोगों के साथ नहीं खड़े होंगे तो कौन खड़ा होगा? पूरे देश के दलित, पिछड़े, आदिवासी और गरीब समुदाय राहुल गांधी की ओर आशा भरी निगाहों से देखते हैं। उदित राज

ने कहा कि देश में उत्पीड़न का दौर चल रहा है और राहुल गांधी इन समुदायों की आवाज बन रहे हैं। बिहार में मुख्यमंत्री फेस को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर उदित राज ने कहा कि अमित शाह सोचते हैं कि देश की जनता उनके साथ है। विधानसभा चुनाव के बाद विधायक मुख्यमंत्री चुनते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि गुजरात में क्या हुआ? एक आदेश पर 12-13 मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया। उदित राज ने कहा कि नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने नीतीश कुमार की पीठ में छुरा घोंपा है।

गुजरात में मुख्यमंत्री वही, कैबिनेट नई, हर्ष संघवी बने डिप्टी सीएम, रिवाबा जडेजा समेत 26 मंत्रियों ने शपथ ली, 19 नए चेहरे

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को 19 विधायकों को मंत्रियों के तौर पर शामिल कर मंत्रिपरिषद में फेरबदल किया और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी को उपमुख्यमंत्री बनाया। इसी के साथ पटेल समेत मंत्रिपरिषद में शामिल कुल नेताओं की संख्या 26 हो गई है। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने नए मंत्रियों के साथ-साथ उन नेताओं को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जिन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है और राज्य मंत्रियों से राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया है। सूरत शहर के मुजारा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व

करने वाले संघवी ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वह अब तक गृह राज्य मंत्री थे। संघवी और भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाले पिछले मंत्रिमंडल का हिस्सा रहे पांच अन्य विधायक मंत्रिपरिषद में बने हुए हैं। सभी 16 मंत्रियों ने हालांकि बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे दिया था, लेकिन इन छह मंत्रियों के इस्तीफे मुख्यमंत्री ने स्वीकार नहीं किए। इन छह में से तीन-कनुभाई पटेल, ऋषिकेश पटेल और कुंवरजी बावलिया-पहले कैबिनेट मंत्री थे, जबकि संघवी, प्रफुल्ल पानसेरिया और पुरुषोत्तम सोलंकी राज्य मंत्री थे। इनमें से केवल संघवी और पानसेरिया ने शुक्रवार को दोबारा शपथ ली। संघवी को उपमुख्यमंत्री और पानसेरिया को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया।

एक्टर विजय की पार्टी मान्यता प्राप्त नहीं:चुनाव आयोग

जरूरी शर्तें पूरा नहीं करती, मद्रास हाईकोर्ट में टीवीके और करूर भगदड़ पर सुनवाई

चेन्नई (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को मद्रास हाईकोर्ट में कहा- एक्टर विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल नहीं है। टीवीके एक मान्यता प्राप्त राज्य पार्टी बनने के लिए जरूरी शर्तों को पूरा नहीं करती। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव की बेंच के सामने ईसीआई के वकील निरंजन राजगोपाल ने कहा किसी पार्टी को राज्य स्तर पर मान्यता पाने के लिए कम से कम 6ः वैध वोट और विधानसभा की दो सीटें या लोकसभा की एक सीट जीतनी जरूरी होती है। कोर्ट ने ये बातें उन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कही, जिनमें टीवीके

को रद्द या गैर-मान्यता प्राप्त घोषित करने और करूर रैली घटना के लिए विजय के खिलाफ एफआईआर में अतिरिक्त धाराएं जोड़ने की मांग की गई थी। दरअसल, 27 सितंबर को तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय की रैली में हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत और 100 से ज्यादा घायल हुए थे। मृतकों में 18 महिलाएं, 13 पुरुष और 10 बच्चे शामिल थे। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता (मदुरै बेंच में वकील) ने कहा कि रैली बहुत भीड़भाड़ वाली जगह पर आयोजित की गई थी। लापरवाही और नियमों के उल्लंघन के कारण यह दुखद घटना हुई। इसमें 40 से ज्यादा मौतें और कई घायल हुए। इसके अलावा, याचिका में चुनाव आयोग से टीवीके का पंजीकरण रद्द करने, राजनीतिक रैलियों में बच्चों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने और अभिनेता विजय को पीड़ित परिवारों को प्रति परिवार 1 करोड़ रुपये मुआवजा देने का निर्देश देने की मांग की गई। सुप्रीम कोर्ट ने 13 अक्टूबर को करूर भगदड़ मामले में सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने एक्टर विजय की पार्टी टीवीके और भाजपा नेता उमा आनंदन की मामले की सीबीआई जांच याचिका पर फैसला सुनाया। मद्रास एचसी ने मामले की जांच एसआईटी को सौंपी थी। बेंच ने कहा था सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस अजय रस्तोगी की अध्यक्षता वाली 3 सदस्यीय कमेटी जांच की निगरानी करेगी।

इण्टीग्रेटिव मेडिसिन समय की माँग - डॉ अशोक वार्ष्णेय

आयुर्वेद एवं पाश्चात्य विधा का समन्वय चिकित्सा की सफलता का मूल मंत्र- डॉ जी एस तोमर

गुरु गोरक्षनाथ इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आरोग्य संगम 2025 के वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रो.(डॉ.) जी एस तोमर ने की । इस सत्र में आत्रेय इनोवेशन के संस्थापक डॉ अनिरुद्ध जोशी ने ह्लटेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन इन डायग्नोसिस पल्स मोनीटर (नाड़ी तरंगिणी) के विशिष्ट परिप्रेक्ष्य मेंह्व विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया । डॉ जोशी ने नाड़ी परीक्षा को व्यावहारिक, सरल एवं वैज्ञानिक स्वरूप में विकसित करने का सफल प्रयास किया है । इससे पारम्परिक ज्ञान को नवाचार के माध्यम से चिकित्सोपयोगी बनाया जा सकता है । दूसरा प्रस्तुतीकरण सेन्टर फॉर रुमेटिक डिसीजेज के डाइरेक्टर एण्ड चीफ रुमेटोलॉजिस्ट डॉ अरविन्द चोपरा ने ह्लइन्टीग्रेटिव मेडिसिन क्लिनिकल बेस्ड एप्रोचह्व विषय पर दिया । डॉ चोपरा ने जोड़ों के दर्द की विभिन्न विकृतियों को अत्यंत सरल एवं वैज्ञानिक दृष्टि से प्रस्तुत किया । उनका प्रस्तुतिकरण चिकित्सकों को रुमेटिक डिसीजेज के सही निदान एवं चिकित्सा में अत्यंत लाभकारी साबित होगा। आयुर्वेद एवं पाश्चात्य चिकित्सा विधा किस प्रकार सम्मिलित रूप से इन रोगियों को स्वास्थ्य लाभ पहुँचा सकती है इस पर अपने विचार साझा किए ।डॉ राजेन्द्र जैन ने स्वर विज्ञान के आधार पर इडा, पिंगला एवं सुषुम्ना नाड़ी के माध्यम से स्वास्थ्य संरक्षण, संवर्धन एवं रोग उपचार पर अपने अनुभव साझा किए । सत्राध्यक्ष के रूप में अपने उद्बोधन में डॉ तोमर ने तीनों ही विद्वान वक्ताओं को उनके उत्कृष्ट प्रस्तुतीकरण के लिए बधाई दी एवं बताया कि नाड़ी परीक्षा आयुर्वेदीय निदान पद्धति की अष्ट स्थान परीक्षा का एक महत्वपूर्ण भाग है । उन्होंने कहा कि योगरत्नाकर नामक आयुर्वेदीय ग्रंथ में नाड़ी, मूत्र, मल, जिह्वा, शब्द, स्पर्श, दृक एवं आकृति अष्टविध रोगी परीक्षा का वर्णन है जो सम्पूर्ण निदान को अपने आप में समाहित करता है । इस ज्ञान को आज की विकसित तकनीक के प्रयास से नवाचार करना समय की आवश्यकता है । वहीं रुमेटिक डिसीजेज के सम्बन्ध में अपने विचार रखते हुए उन्होंने बताया कि हजारों वर्ष पूर्व महर्षि चरक ने वातव्याधि एवं वातरक्त के संदर्भ में इस महत्वपूर्ण रोग विशेष की जानकारी प्रस्तुत की है । यही नहीं विकास के क्रम में माधवकार ने माधव निदान में आमवात का वर्णन कर इस रोग को और अधिक विस्तार दिया है ।चिकित्सा विज्ञान के विकसित परीक्षणों के आधार पर इसका प्रस्तुतिकरण चिकित्सकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा । उन्होंने इन्टीग्रेटिव मेडिसिन के सम्बन्ध में अपने विचार साझा करते हुए कहा कि हर विधा की अच्छाइयों को समाविष्ट कर रोगी को आदर्श चिकित्सा उपलब्ध कराना ही इसका मूलभूत उद्देश्य होना चाहिए । ट्रीटमेंट गैप को भरने के लिए अन्य प्रभावी विधाओं का चिकित्सा में समावेश ही सफल इण्टीग्रेशन हो सकता है । डॉ तोमर ने अपने उद्बोधन में जीवनशैली जन्य विकारों के उपचार में आयुर्वेद को अत्यंत प्रभावी बताया । उन्होंने कहा कि आयुर्वेद न केवल स्वास्थ्य संरक्षण के लिए उत्कृष्ट विधा है अपितु जीर्ण एवं कष्ट साध्य रोगों के लिए भी संजीवनी है । द्वितीय वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ अशोक कुमार वार्ष्णेय ने की । इस सत्र डॉ पवन गोदातवर, पद्मश्री डॉ मनोरंजन साहू एवं डॉ जी एस तोमर ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए । सत्राध्यक्ष के रूप में अपने उद्बोधन में उन्होंने तीनों विद्वान प्रस्तोताओं को उनके उत्कृष्ट प्रस्तुतिकरण के लिए बधाई दी एवं इण्टीग्रेशन को समय की माँग बताया । इस अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में सात देशों के एवं ग्यारह प्रदेशों के लोगों ने प्रतिभाग किया ।

सोती रहीं महिलाएं, गहने और नकदी पर हाथ साफ कर गए चोर

गाजीपुर। गाजीपुर जिले में चोर रात में घर का ताला तोड़कर सोना- चांदी और नकदी समेटकर भाग निकले। घटना की जानकारी तब हुई जब सुबह महिलाएं सोकर उठीं। गाजीपुर जिले के शादियाबाद थाना क्षेत्र के नेवादा दुर्ग विजयराय गांव में बृहस्पतिवार की रात अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया। घर में महिलाएं सो रही थीं, इसी बीच चोरों ने ताला तोड़कर सोने-चांदी के गहने और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, मिला देवी पत्नी राजनाथ यादव अपनी बेटी के साथ कमरे में सोई थीं, जबकि उनकी बुजुर्ग देवरानी देवराजी देवी बाहर टिन शेड में सो रही थीं। इसी दौरान चोरों ने दूसरे कमरे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और तीन बक्से को तोड़ दिया। बक्से में रखे सोने-चांदी के आभूषण और नकदी समेटकर चोर फरार हो गए। हैरानी की बात यह रही कि पूरी वारदात के दौरान घर में सो रहीं महिलाओं को इसकी भनक तक नहीं लगी। शुक्रवार की सुबह जब परिजनों की नींद खुली और टूटा हुआ दरवाजे का ताला देखा तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। घर का सामान बिखरा पड़ा था। पीड़िता मिला देवी के पति राजनाथ यादव अपने बेटे के साथ मुंबई में मजदूरी करते हैं। घटना की सूचना ग्रामीणों ने तत्काल शादियाबाद पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष श्याम जी यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

प्लेटफार्म की सफाई करते हुये स्वच्छताकर्मी

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत 17 अक्टूबर, 2025 को मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर कार्यालयों, प्रतीक्षालयों, स्टेशन परिसरों की सफाई की गई तथा स्वच्छता संबंधी नारे, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से जन जागरूकता रैली निकाली गई। 17 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्टेशन परिसर, कार्यालयों, वाटर बूथ, पानी निकास नालियों तथा डस्टबिन की सफाई की गई और कार्यालयों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया गया। निरीक्षकों द्वारा पानी की शुद्धता की जाँच की गई एवं फूड स्टॉल का निरीक्षण कर खाद्य सामग्रियों को स्वच्छ रखने हेतु निर्देशित किया गया। स्टेशन पर कार्यरत संविदा कर्मचारियों एवं रेल कर्मचारियों ने स्वच्छता संबंधी नारे, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से जन जागरूकता रैली निकाली। वाराणसी मंडल के आजमगढ़, बलिया, बनारस, वाराणसी सिटी, गाजीपुर सिटी, भटनी जंक्शन, छपरा, सीवान, देवरिया सदर, मऊ और प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा स्टेशन पर कार्यरत संविदा कर्मचारियों एवं रेल कर्मचारियों के साथ स्वच्छता संबंधी नारे, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से जन जागरूकता रैली निकाली गई तथा नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रतीक्षालय, फर्श एवं बेंचों की सफाई कर धूल-मुक्त बनाया गया। ट्रैक किनारे नालियों की सफाई कर चूना एवं कीटनाशक पाउडर डाला गया। निरीक्षकों, संविदा कर्मचारियों एवं रेल कर्मचारियों के साथ स्वच्छता संबंधी नारे, पोस्टर एवं बौनर के साथ जन जागरूकता रैली निकाली गई।

इन गाड़ियों में बर्थ आरक्षित कराकर अपनी यात्रा को सुखद बनावें

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की सुविधा हेतु अनेक विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में माह अक्टूबर के लिये 17 अक्टूबर, 2025 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है।

-छपरा से चलने वाली 05049 छपरा-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 24 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 571 बर्थ उपलब्ध है।

-छपरा से चलने वाली 04607 छपरा-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 20 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 532 बर्थ एवं शयनयान श्रेणी में 266 तथा 27 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 444 एवं शयनयान श्रेणी में 58 बर्थ उपलब्ध है।

-गोरखपुर से चलने वाली 05634 गोरखपुर-नारंगी पूजा विशेष गाड़ी में 24 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 658 बर्थ, 31 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 337 बर्थ उपलब्ध है।

- मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट पूजा विशेष गाड़ी में 23 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 55, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 220 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 34 बर्थ उपलब्ध है।

- ढ़नी से चलने वाली 05005 बढ़नी-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 22 अक्टूबर,2025 को शयनयान श्रेणी में 97 बर्थ तथा 29 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 280 बर्थ उपलब्ध है।

- गोमती नगर से चलने वाली 05325 गोमती नगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी में 18 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 20, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 82 एवं शयनयान श्रेणी में 305 बर्थ उपलब्ध है।

- मऊ से चलने वाली 05064 मऊ-कोलकाता पूजा विशेष गाड़ी में 22 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 19, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 77 एवं शयनयान श्रेणी में 438 बर्थ उपलब्ध है।

- गोमती नगर से चलने वाली 05314 गोमती नगर-महबूबनगर पूजा विशेष गाड़ी में 19 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 313 बर्थ तथा 26 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 282 बर्थ उपलब्ध है।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता

गोरखपुर, : रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में, 16 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 2 पर 14 एवं 16 वर्ष की दो नाबालिग लड़कियाँ मिली। पूछताछ के उपरान्त उन लड़कियों को चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 16 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 4 पर 13 वर्ष का एक नाबालिग लड़का मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 15 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट भटनी को प्लेटफार्म सं0 1 पर घर से नाराज होकर आया एक युवक मिला। पूछताछ के उपरान्त युवक के परिजन के आने पर युवक को सुपुर्द किया गया। 15 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15113 में मानसिक रूप से विक्षिप्त एक युवक मिला। पूछताछ के उपरान्त युवक के परिजन के आने पर युवक को सुपुर्द किया गया।

उर्वरक वितरण में पारदर्शिता लाने की हिदायत

बस्ती। आयुक्त अखिलेश सिंह ने बृहस्पतिवार को विकास कार्यों की मासिक मंडलीय समीक्षा बैठक की। पूरी पारदर्शिता के साथ उर्वरक वितरण की हिदायत दी। किसानों के हित में कृषि एवं एआर कोआपरेटिव खुद इस पर सजग होकर ध्यान देने के लिए कहा। कहा कि मंडल में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। समितियों के माध्यम से इसे किसानों में वितरित कराएं। यूरिया पंपधारकों पर विशेष निगरानी रखी जाए। कमिश्नर ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, जल निगम, नियोजन, पंचायतीराज, पंचम वित्त राज आयोग, पर्यटन, लोकनिर्माण, लोक शिकायत, यूपीसीएलडीएएफ, कृषि एवं सहकारिता सहित संचालित विकास योजनाओं की गहनता से समीक्षा की। उन्होंने संचालित योजनाओं में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर असंतोष व्यक्त किया। कहा कि मंडल स्तरीय अधिकारीगण प्रगति में तेजी लाकर मंडल की रैंकिंग को निचले स्तर से उच्च स्तर पर लाए। पीएम सूर्य घर योजना के तहत सोलर पंप स्थापित कराने में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति कम है। शासन स्तर पर विभागीय अधिकारी द्वारा पत्राचार अवश्य किया जाए। उन्होंने लोक निर्माण, लोक शिकायत तथा कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों को विशेष निर्देश दिया कि निमार्णाधीन परियोजनाओं को समय से पूरा कराए। शिकायतों का पारदर्शिता से जांच कराकर फीडबैक लेकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराए। संचालन अपर आयुक्त प्रशासन मनोज कुमार त्रिपाठी ने किया।

2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली पूजा विशेष गाड़ियाँ निम्नवत है

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा दीपावली एवं छठ पर्व पर यात्रियों की सुविधा हेतु पूजा विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। 18 अक्टूबर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली पूजा विशेष गाड़ियाँ निम्नवत है।

-18 अक्टूबर, 2025 को 03528 गोरखपुर-आसनसोल पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 06.30 बजे प्रस्थान कर देवरिया सदर, भटनी, सीवान, छपरा होते हुए चलाई जायेगी।

-18 अक्टूबर, 2025 को 05325 गोमतीनगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी गोमतीनगर से 00.15 बजे प्रस्थान कर बादशाहनगर, लखनऊ सिटी, ऐशबाग, कानपुर सेन्ट्रल होते हुए चलाई जायेगी।

-18 अक्टूबर, 2025 को 05017 मऊ-सूरत पूजा विशेष गाड़ी मऊ से 05.30 बजे प्रस्थान कर बेलथरा रोड, सलेमपुर, भटनी, देवरिया सदर, गोरखपुर, खलीलाबाद, बस्ती, गोण्डा, बाराबंकी, बादशाहनगर, ऐशबाग, कानपुर सेन्ट्र होते हुए चलाई जायेगी।

-18 अक्टूबर, 2025 को 05062 टनकपुर-अछनेरा पूजा विशेष गाड़ी टनकपुर से 04.35 बजे प्रस्थान कर खटीमा, पीलीभीत, भोजीपुरा, इज्जतनगर, बरेली, बदायू, उझानी, सोरो शूकर क्षेत्र, कासगंज, सिकन्दरा राव, हाथरस सिटी, मथुरा होते हुए चलाई जायेगी।

-18 अक्टूबर, 2025 को 03216 थावे-पटना पूजा विशेष गाड़ी थावे से 18.25 बजे प्रस्थान कर गोपालगंज, सिधवलिया, दिघवा दुबौली, मसरख, मढ़ौरा, खैरा होते हुए चलाई जायेगी।

-18 अक्टूबर, 2025 को 04021 गोरखपुर-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 07.00 बजे प्रस्थान कर बस्ती, गोण्डा, लखनऊ, बरेली होते हुए चलाई जायेगी।

-18 अक्टूबर, 2025 को 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 14.30 बजे प्रस्थान कर खलीलाबाद, बस्ती, गोण्डा, लखनऊ जं0, कानपुर सेन्ट्रल होते हुए चलाई जायेगी।

-18 अक्टूबर, 2025 को 01416 गोरखपुर-पुणे पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 17.30 बजे प्रस्थान कर बस्ती, गोण्डा, लखनऊ जं0, कानपुर सेन्ट्रल होते हुए चलाई जायेगी।

-18 अक्टूबर, 2025 को 09430 गोरखपुर-साबरमती पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 13.00 बजे प्रस्थान कर बस्ती, मनकापुर, गोण्डा, बाराबंकी, लखनऊ जं0, उन्नाव, कानपुर सेन्ट्रल होते हुए चलाई जायेगी।

संक्षिप्त खबरें

रुधौली में मदरसे के पीछे लगेगी पटाखे की दुकान

रुधौली। दीपावली के त्योहार के मद्देनजर अनुमति प्राप्त करके अस्थायी पटाखा की दुकानें लगाने के लिए व्यापारियों ने बृहस्पतिवार को रुधौली चेयरमैन धीरसेन निषाद से मुलाकात कर सुरक्षित स्थान निर्धारित करने की मांग की। चेयरमैन ने बताया कि शासन की गाइडलाइन के अनुसार पटाखों की दुकानें आबादी वाले क्षेत्र से बाहर ही लगाई जाएंगी। गांधीनगर वार्ड के मदरसा रोड पर मदरसे के पीछे स्थित बगीचे को दुकान लगाने के लिए चिह्नित किया गया है। चेयरमैन ने यह भी कहा कि सभी व्यापारी अपने स्टॉल के पास सुरक्षा और अग्निशमन संसाधन सुनिश्चित करेंगे। इस मौके पर मोहम्मद शफीक, मोहम्मद सलाम, अब्दुल कलाम, मोहम्मद इरफान, सद्दाम, इस्माइल, रियाज, रईस, राजपत, शोभालाल और आकाश सोनकर आदि मौजूद रहे।

बंदरों के हमले से युवती गंभीर रूप से घायल

टिनिच। गौर-वाल्टरगंज मार्ग पर गटरा पुल के पास बृहस्पतिवार को बंदरों के हमले से युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल लक्ष्मी चकचई गांव की रहने वाली हैं। परिजनों के साथ बाइक से बस्ती जा रही थी। जानकारी के अनुसार, जैसे ही वह बलुआ समय माता मंदिर के आगे कुआनो नदी पर स्थित गटरा पुल पार कर रही थी, सड़क किनारे खड़ा बंदर बाइक पर झपट्टा मार दिया। इस दौरान लक्ष्मी और उनकी मां बाइक से गिर गईं। लक्ष्मी के सिर के पीछे गंभीर चोट लग गई और खून बहने लगा। राहगीरों की मदद से दोनों को सड़क किनारे सुरक्षित किया गया और स्थानीय लोगों के सहयोग से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इस क्षेत्र में लगातार बंदरों के हमलों की खबरें सामने आ रही हैं। इलाके में जंगल होने के कारण बंदरों ने अपना ठिकाना बना लिया है और श्रद्धालुओं की छोड़ी जाने वाली खाने की वस्तुएं उन्हें अपनी भोजन सामग्री समझकर राहगीरों पर झपट्टा मारने का कारण बन रही हैं।

एक दिन की जीआरपी प्रभारी निरीक्षक बनी अदिति द्विवेदी

बस्ती। मिशन शक्ति फेज- 5 के तहत बृहस्पतिवार को सरस्वती बालिका विद्या मंदिर रामबाग की कक्षा आठवीं की छात्रा आदित्य द्विवेदी को एक दिन के लिए जीआरपी प्रभारी निरीक्षक बनाया गया। अदिति द्विवेदी ने जीआरपी प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार यादव के साथ रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर जीआरपी स्कोर्ट कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही एक्सप्रेस ट्रेन के महिला कोच में यात्रा के दौरान महिला यात्रियों को सुरक्षा संबंधी जानकारी देते हुए जागरूक किया और कहा कि ट्रेन में आपातकालीन स्थिति में या किसी भी घटना की आशंका होने पर रेलवे पुलिस के ट्विटर हैंडल, व्हाट्सएप नंबर 7570000100 एवं आपातकालीन पुलिस सेवा 112 पर सूचना देकर मदद ले सकते हैं। प्लेटफार्म पर महिला यात्रियों को अदिति ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना,नारी शक्ति बंदन अधिनियम,बैंकिंग कॉरेस्पांडेंट सखी, रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष,मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना सहित विधिवत जानकारी दी। इस मौके पर उप प्रधानाचार्या मंजुला श्रीवास्तव, पंखुड़ी मिश्रा, टिकट निरीक्षक मो. शमीम, उप निरीक्षक श्रवण कुमार यादव, हेड कांस्टेबल सुनील कुमार मिश्रा, राकेश यादव, राजेश यादव, निहारिका श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

पंचायतीराज के सरप्लस सफाईकर्मी जाएंगे भदोही

बस्ती। जिले के पंचायतीराज विभाग में तैनात सरप्लस सफाई कर्मचारियों को भदोही जनपद में तैनाती दी जाएगी। इसके लिए शासन से दिशा-निर्देश जारी किया गया है। उसी क्रम में डीपीआरओ घनश्याम सागर ने आदेश पत्र जारी किया है। डीपीआरओ ने बताया कि जनपद भदोही में तैनात किए जाने के लिए निति निर्धारण किया जाना है। जिले के इच्छुक सफाई कर्मी प्रत्यावेदन दे सकेंगे। बताया कि सभी एडीओ पंचायत से इस बाबत जानकारी मांगी गई है। जो कर्मी भदोही जाना चाहते हैं, वह फोटोयुक्त शपथ पत्र के साथ सूचना दे सकते हैं।

गायघाट में दो बोरी विस्फोटक बरामद

कलवारी। पुलिस ने गायघाट बाजार से जांच के दौरान दो बोरी विस्फोटक बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना कलवारी के सीओ प्रदीप कुमार त्रिपाठी ने बताया कि बुधवार को थानाध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह और चौकी प्रभारी गायघाट राममणि उपाध्याय पटाखा व्यवसाय से जुड़े लोगों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान राम किशोर निवासी गायघाट के यहां भारी मात्रा में बारूद से युक्त पटाखा बरामद हुआ। वह उनसे संबंधित कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। जांच में दो बोरी विस्फोटक बरामद किया गया। राम किशोर के खिलाफ अधिक मात्रा में विस्फोटक रखने के आरोप में केस दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

घर-घर स्वास्थ्य संदेश पहुंचाने का आह्वान

बस्ती। शहर के रामबाग स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में बृहस्पतिवार को आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत के अभ्यास वर्ग में घर-घर स्वास्थ्य संदेश पहुंचाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में प्रांत के 10 जिलों के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। आयोजन का शुभारंभ सुबह 10 बजे भगवान धनवंतरि के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचारक एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय थे। मुख्य अतिथि गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ला और विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत नगर की चेयरमेन नीलम सिंह राना उपस्थित रहीं। डॉ. वार्ष्णेय ने आरोग्य भारती की स्थापना के उद्देश्य और परिवार तथा स्वास्थ्य पर संगठन की सोच पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आरोग्य भारती बिना किसी दवाई के स्वस्थ जीवन जीने की प्रेरणा देती है और देशभर में स्वास्थ्य एवं सामाजिक क्षेत्र में सेवा कार्य कर रही है। उद्बोधन में महेश शुक्ला ने आरोग्य भारती के कार्यों की सराहना की और स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में संगठन के योगदान को अविस्मरणीय बताया।

कानून और सुरक्षा व्यवस्था की मजबूती पर दिया जोर

बस्ती। डीआईजी संजीव त्यागी ने बृहस्पतिवार को बस्ती, संतकबीरनगर और सिद्धार्थनगर के पुलिस अधीक्षकों के साथ समीक्षा बैठक की। आगामी त्योहारों दीपावली और छठ पूजा को लेकर कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था की मजबूती पर जोर दिया। डीआईजी ने चेन स्नेचिंग और लूट पर प्रभावी नियंत्रण के लिए दस वर्षों के अभियुक्तों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। ऑपरेशन क्लीन के तहत वाहनों और लंबित विवेचनाओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के लिए कहा। आगामी त्योहारों के दौरान संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती करने और गश्त व्यवस्था सुदृढ़ करने पर जोर दिया। सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाओं का त्वरित खंडन और जरूरी कार्रवाई की हिदायत दी। डीआईजी ने वांछित और पुरस्कार घोषित आरोपितों की गिरफ्तारी के साथ ही पटाखा विक्रेताओं और भंडारण स्थलों, शस्त्र और कारतूसों के सत्यापन तथा गो-तस्करी रोकने के लिए रात्रिकालीन चेकिंग की हिदायत दी। महिला एवं एससी/एसटी एक्ट से संबंधित अपराधों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

अब नेस्ले में भी छंटनी की खबर, कंपनी ने लागत घटाने के लिए 16000 नौकरियों में कटौती का बनाया प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेस्ले नेस्कैफे ड्रिंक्स, पालतू जानवरों के भोजन पुरीना और अन्य उत्पाद बनाती है। कंपनी में अब 16 हजार नौकरियों की छंटनी की तैयारी चल रही है। क्या है पूरा मामला आइए जानते हैं विस्तार से। खाद्य जगत की दिग्गज स्विस कंपनी नेस्ले ने भी अपने वित्तीय प्रदर्शन को सुधारने के लिए छंटनी का सहारा लेने का फैसला किया है। खबर है कि कंपनी वैश्विक स्तर पर 16,000 नौकरियों में कटौती करेगी। नेस्ले नेस्कैफे ड्रिंक्स, पालतू जानवरों के भोजन पुरीना और अन्य उत्पाद बनाती है। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि अगले दो वर्षों में वह नौकरियों में कटौती करेगी। स्विस कंपनी ने बताया कि वह अगले वर्ष के अंत तक लागत में कटौती का लक्ष्य बढ़ाकर 3 अरब स्विस फ्रैंक (3.76 अरब डॉलर) कर रही है। पहले यह लक्ष्य 2.5 अरब स्विस फ्रैंक (3.13 अरब अमेरिकी डॉलर) था। वेवे, स्विट्जरलैंड स्थित कंपनी के लिए यह साल उथल-पुथल भरा रहा है।

निजीकरण थोपने की कोशिश का होगा राष्ट्रव्यापी विरोध

लखनऊ (संवाददाता)। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने कहा है कि यह विदित हुआ है कि 16 सितम्बर को हुई ग्रुप आफ मिनिस्टर्स ऑफ पॉवर की मीटिंग में यह सहमति बनी है कि विद्युत वितरण निगमों के संचालन हेतु राज्य सरकारों को तीन विकल्प दिए जाए और जो राज्य सरकार इन तीनों विकल्पों को न माने उनको केन्द्र सरकार से मिलने वाली ग्रांट बन्द कर दी जाय संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि उत्तर प्रदेश में निजीकरण की प्रक्रिया व्यापक रूप से चलाई जा रही है जिसका बिजली कर्मी विगत 11 महीनों से जोरदार विरोध कर रहे हैं। अब इन घटनाक्रमों से उद्वेलित सारे देश के 27 लाख बिजली कर्मचारी और इंजीनियर एकजुट होकर सामने आ गए हैं और वे निजीकरण का व्यापक विरोध करेंगे और राष्ट्रव्यापी आंदोलन किया जायेगा जिसका निर्णय आगामी 03 नवम्बर को मुम्बई में होने वाली नेशनल कोऑर्डिनेशन कमिटी आफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स की मीटिंग में लिया जायेगा।संघर्ष समिति ने कहा कि यह शर्तें निजीकरण हेतु राज्य सरकारों पर बेजा दबाव डालना है और एक प्रकार से ब्लैक मेल है जिसके विरोध में देशव्यापी आन्दोलन चलाया जाएगा। संघर्ष समिति ने बताया कि ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की इसी मीटिंग में इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 के मसौदे को अन्तिम रूप दिया गया था जिसे 09 अक्टूबर को विद्युत मंत्रालय ने जारी कर दिया है। संघर्ष समिति निजीकरण हेतु लाए गए इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 का प्रबल विरोध करती है और मांग करती है कि इसे तत्काल वापस लिया जाय। उन्होंने बताया कि मुम्बई में 04 एवं 05 नवम्बर को हो रही डिस्ट्रीब्यूशन यूटिलिटी मीट 2025 का मुख्य एजेंडा विद्युत वितरण निगमों के सस्टेनेबिलिटी के लिए पी पी पी मॉडल्स है जिसका अर्थ निजीकरण ही है संघर्ष समिति ने बताया कि सात राज्यों के ग्रुप आफ मिनिस्टर्स की बैठक में हुई चर्चा के बाद केंद्र सरकार बिजली के निजीकरण पर राज्यों को तीन विकल्प देने जा रही है, अन्यथा की स्थिति में केंद्र सरकार की ग्रांट बंद कर दी जाएगी। पहला विकल्प है कि राज्य सरकार विद्युत वितरण निगमों की 51: हिस्सेदारी बेंच दे और पीपीपी मॉडल पर विद्युत वितरण कंपनियां चलाई जाए।दूसरा विकल्प है कि विद्युत वितरण कंपनियों की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी जाए और प्रबंधन बिजी कंपनी को सौंप दिया जाए। तीसरा विकल्प जो राज्य निजीकरण नहीं करना चाहते तो वह अपनी विद्युत वितरण कंपनियों को सेबी और स्टॉक एक्सचेंज में रजिस्टर कर लिस्टिंग कर दें।यह पता चला है कि ग्रुप आफ मिनिस्टर्स की मीटिंग में यह सहमति हुई है कि जो राज्य यह तीनों विकल्प न दें उनका केंद्र से मिलने वाली ग्रांट बंद कर दी जाए और आगे कोई आर्थिक मदद न की जाए। संघर्ष समिति ने कहा कि बिजली संविधान की आठवीं अनुसूची में कॉन्करेंट लिस्ट पर है जिसका मतलब होता है कि बिजली के मामले में केंद्र और राज्य सरकार के बराबर के अधिकार हैं। ऐसे में चुनिंदा सात प्रांतों (उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु) की राय लेकर निजीकरण का निर्णय राज्य सरकारों के ऊपर कैसे थोपा जा सकता है ?संघर्ष समिति ने इस बात पर भी कड़ी आपत्ति की कि ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोशिएशन जो सोसाइटी एक्ट में रजिस्टर्ड है उसे ग्रुप आफ मिनिस्टर्स की मीटिंग में किस हैसियत से और क्यों बुलाया जा रहा है ? उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि आल इंडिया डिस्कॉम एसोशिएशन सरकार और निजी घरानों के बीच बिचौलिया की भूमिका में आ गई है।

स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ का अब क्रमिक अनशन

लखनऊ (संवाददाता)। उ.प्र.स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के आवाहन पर प्रदेश के निकाय कर्मचारियो की 10 सूत्रीय लम्बित मांगो के समाधान हेतु 16 अक्टूबर 25 को नगर विकास विभाग स्तर पर हुई बैठक में कोई समाधान न निकलने से आक्रोशित महासंघ ने लिया क्रमिक अनशन का निर्णय। है। आज महासंघ के घोषित क्रमिक अनशन ध्यानाकर्षक आन्दोलन के क्रम में लखनऊ इकाई से 5 प्रतिनिधि मंडल सर्व गोमती त्रिवेदी,रामकुमार रावत, जितेन्द्र सिद्धार्थ, विजय यादव , अजय कुमार द्विवेदी ने नगर निगम लखनऊ के मुख्यालय पर दोपहर 12 बजे से सांय 4 बजे क्रमिक अनशन किया। महासंघ अपनी 10 सूत्रीय लम्बित मांग पत्र के प्रमुख रूप से अकेन्द्रियत कर्मचारियों की सेवा नियमावली, 31दिसम्बर,2001 तक दैनिक वेतन, संविदा तथा तदर्थ (धारा 108) पर कार्यरत कर्मचारियों का विनियमितीकरण,कैशलेस इलाज व्यवस्था,पुरानी पेंशन बहाली,आउटसोर्सिंग कर्मचारियो की सेवा सुरक्षा, जीने लायक वेतन,आदि की पूर्ति हेतु महासंघ संघर्षरत है। महासंघ के अध्यक्ष शशि कुमार मिश्रा ने बताया कि इन परिस्थितियों मे महासंघ की प्रदेश कार्यसमिति के निर्णयानुसार पूर्व घोषित आन्दोलन के तारतम्य मे 17 अक्टूबर, 2025 से 10 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक कार्यदिवस में महासंघ की लखनऊ नगर निगम इकाई के मुख्यालय पर प्रदेश की सभी ईकाईयों के कम से कम 5 प्रतिनिधि दीपावली के बाद क्रमवद्ध क्रमिक अनशन करेंगे। 10 नवम्बर तक पूर्ववत काला फीता बाँधकर निकाय के कर्मचारियों के द्वारा सरकार का ध्यानाकर्षण के रूप मे कराता रहेगा यह भी निर्णय लिया गया है, कि इस वर्ष दीपावली पर्व महासंघ सामूहिक रूप से नही मनायेगा।महासंघ द्वारा पुनः प्रमुख सचिव नगर विकास को पत्र प्रेषित करते हुए मुख्य मंत्री,नगर विकास मंत्री महोदय को भी अवगत कराते हुए अनुरोध किया है कि समय रहते प्रदेश के निकाय कर्मचारियों की पूर्व से प्रेषित लम्बित सेवा सम्बन्धी व अन्य मांगो का समाधानाध्यासन स्तर पर पूर्व हुई बैठको मे लिये गये निर्णयों के आदेश निर्गत कराने हेतु सम्बन्धित को आदेशित करने की कृपा करे अन्यथा कि स्थित मे प्रदेश व्यापी कार्यबन्दी हेतु महासंघ विवश होगा।

राजधानी में वीवीआईपी इलाकों में भीषण जाम, मरीज और राहगीर परेशान

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में विधानसभा, सीएम आवास चौराहा और राजभवन के आस-पास भीषण जाम लगा है। वाहन रेंग-रेंग कर चल रहे हैं, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रैफिक पुलिस की मुस्तैदी के बावजूद हालात काबू से बाहर हैं। जाम का सबसे अधिक असर विधानसभा मार्ग, सीएम आवास चौराहा, राजभवन और कैसरबाग की ओर जाने वाले मार्गों के अलावा सिविल अस्पताल के आस-पास भी देखा गया। सिविल हॉस्पिटल के बाहर लगे जाम के कारण मरीजों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। एंबुलेंस और निजी वाहन ट्रैफिक में फंस गए, जिससे कई मरीज समय पर इलाज नहीं पा सके। राज भवन के सामने पीडब्लयूडी परिसर स्थित विश्व औरैया भवन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कार्यक्रम होने के चलते कई गाड़ियां रोड पर ही पार्क कर दी गईं, जिसकी वजह से जाम जैसे हालात बन गए हैं। इसके साथ ही वीवीआईपी मूवमेंट के चलते कई मार्गों पर यातायात रोक दिया गया, जिससे ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

लखनऊ से रवाना होगी ब्रह्मोस की पहली खेप, आज रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री योगी करेंगे शुरूआत

लखनऊ (संवाददाता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरोजिनी नगर स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई से तैयार की गई ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप शनिवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि यह दिन न केवल उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) के लिए मील का पत्थर साबित होगा, बल्कि भारत के रक्षा उत्पादों में आत्मनिर्भरता के संकल्प को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा। ब्रह्मोस एयरोस्पेस, जो विश्व की सबसे तेज और घातक सटीक प्रहार क्षमता वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली की निमार्ता है, ने लखनऊ की नई इंटीग्रेशन एंड टेस्ट सुविधा से मिसाइल की पहली खेप सफलतापूर्वक तैयार कर ली है। यह अत्याधुनिक इकाई 11 मई 2025 को उद्घाटन के बाद पूरी तरह संचालन में आई थी। बयान के मुताबिक, कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री बूस्टर डॉकिंग प्रक्रिया का अवलोकन भी करेंगे। इसी क्रम में ब्रह्मोस सिम्युलेटर उपकरणों का प्रस्तुतिकरण भी होगा। इसके अलावा पौधारोपण और अन्य कार्यक्रम भी होंगे। कार्यक्रम के दौरान, महानिदेशक (ब्रह्मोस) डॉ. जयतीर्थ आर. जोशी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक चेक और जीएसटी बिल सौंपेंगे, जिससे राज्य सरकार को राजस्व प्राप्त होगा। ब्रह्मोस मिसाइलों के उत्पादन से उत्तर प्रदेश में उच्च कौशल वाले युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। सरोजिनी नगर के भटगांव स्थित अत्याधुनिक ब्रह्मोस इकाई उत्तर प्रदेश रक्षा गलियारे की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। यहां मिसाइलों की असेंबली, इंटीग्रेशन और टेस्टिंग का कार्य उच्च तकनीकी मानकों के अनुरूप किया जाता है। बयान में कहा गया कि लखनऊ ब्रह्मोस इकाई उत्तर प्रदेश रक्षा गलियारे की पहली ऐसी सुविधा है, जहां मिसाइल प्रणाली के निर्माण से लेकर अंतिम परीक्षण तक की पूरी प्रक्रिया देश में ही की जाती है।

नवयुग कन्या महाविद्यालय में दीपावली मेले का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेन्द्र नगर में दीपावली मेले का भव्य आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डा० भावना मिश्रा, रजिस्ट्रार, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं विशिष्ट अतिथि घनश्याम शाही, क्षेत्रीय संगठन मंत्री, पूर्वी उत्तर प्रदेश उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में सीमा सिंह, प्रधानाचार्या, नवयुग इंटर कॉलेज, महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो० मंजुला उपाध्याय एवं सांस्कृतिक समिति के सभी सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं फीता काटकर किया गया। इसके उपरांत अतिथियों का स्वागत पौध एवं अंगवस्त्र भेंट कर किया गया। मेले में एक ओर पारंपरिक शैली में सुसज्जित विभिन्न स्टॉल थे, तो दूसरी ओर स्वादिष्ट व्यंजनों, केक-पेस्ट्री और मनोरंजन गेम्स के स्टॉल ने सभी का मन मोह लिया। छात्राओं ने अपने स्टॉल को अत्यंत सृजनात्मक और आकर्षक ढंग से सजाया था। कहीं दीपावली पर सजाने के लिए तोरण, झालर और सजावटी वस्तुएँ थीं, तो कहीं पारंपरिक व्यंजन एवं घरेलू उत्पादों की झलक दिखाई दे रही थी। विशेष आकर्षण रहा अंग्रेजी विभाग एलान के माध्यम से पायसम संस्था के विशेष बच्चों द्वारा लगाया गया स्टॉल, जिसमें सुंदर दीये, कैंडिल एवं सजावटी वस्तुएँ प्रदर्शित की गईं। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (छै) इकाई द्वारा दीपदान कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डा० भावना मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा हमारे त्योहार हमें एक-दूसरे से मिलने और समाज में सद्भाव फैलाने का अवसर देते हैं। भारत विविधताओं का देश है, परंतु यहाँ सभी मिलकर उत्सव मनाते हैं। ऐसे आयोजन हमारे भीतर नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार करते हैं।घनश्याम शाही ने कहा मिट्टी वाले दिये जलाना अबकी बार दिवाली में, देश के धन को देश में रखना, नहीं बहाना नाली में।उन्होंने स्वदेशी अपनाने की अपील करते हुए कहा किकृ विदेशी बाजारवाद से बाहर निकलकर हमें अपने गाँव-मोहल्ले के ब्रांड एंबेसडर बनना चाहिए। धर्म के साथ कर्म करें और स्वयं सिद्धा बनें। प्राचार्या प्रो० मंजुला उपाध्याय ने कहाकृ महाविद्यालय में आयोजित यह स्वदेशी दीपावली मेला छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ उद्यमिता और रोजगार से जोड़ने का एक सकारात्मक प्रयास है। इससे हमारी पारंपरिक कला, संस्कृति और व्यंजन की पहचान सशक्त होगी। उन्होंने सभी को दीपावली की शुभकामनाएँ दीं। महाविद्यालय की राष्ट्रीय कैडेट कोर (छब्ब) इकाई द्वारा मेजर (डा०) मनमीत कौर सोढ़ी के संयोजन में इको-फ्रेंडली दीपावली और वोकल फॉर लोकल की अपील के साथ मिट्टी के दिये, वंदनवार, झालर आदि के स्टॉल लगाए गए। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रो० सीमा सरकार ने दिया। इस अवसर पर प्रो० माधुरी यादव, मोनिका अवस्थी, डा० स्नेहलता (सीतापुर हिन्दू कॉलेज), डा० अंजना रामजीत यादव, डा० ब्रह्मानन्द पाठक, पुष्पेन्द्र बाजपेयी (प्रांत मंत्री, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद), आकाश पटेल (संयोजक, नेशनल फार्मा विजन), सोनू मिश्रा एवं विशाल शुक्ला उपस्थित रहे।

सड़कों पर गंदगी मिलने पर कंपनी पर जुमार्ना,,नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

लखनऊ (संवाददाता)। दिवाली और छठ महापर्व पर भी हर की स्वच्छता व्यवस्था पटरी से उतरी हुई है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शुक्रवार सुबह जोन-5 क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान बाबू कुंज बिहारी वार्ड और गुरु गोविंद सिंह वार्ड में सफाई व्यवस्था, कूड़ा उठान, और कार्यदाई संस्था के कामकाज का जायजा लिया। जनता से फीडबैक भी लिया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने कई स्थलों पर सफाई में लापरवाही पाए जाने पर अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी और कार्यदाई संस्था लॉयन एनवायरो पर 5,000 का जुमार्ना भी लगाया। निरीक्षण की शुरूआत नगर आयुक्त ने चंदन नगर मार्केट के पास बने कूड़ा पड़ाव से की। उन्होंने पाया कि वहां की पुरानी कॉम्पैक्टर मशीन लंबे समय से खराब थी और उपयोग में नहीं लाई जा रही थी, जिसके कारण पड़ाव पर कूड़ा बड़ी मात्रा में फैला हुआ था। इस पर नगर आयुक्त ने जोनल सैनेटरी अधिकारी (जेडएसओ-5) को मशीन को तत्काल आरआर विभाग भेजने तथा स्थल को तुरंत व्यवस्थित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा किसी भी वार्ड में खराब मशीन या उपकरणों के कारण सफाई कार्य बाधित नहीं होना चाहिए। इसके बाद नगर आयुक्त ने संत आशुदाराम आश्रम के पास एक खाली प्लॉट का निरीक्षण किया, जहाँ कूड़ा पड़ा पाया गया। इस पर उन्होंने जेडएसओ को निर्देशित किया कि प्लॉट को तुरंत साफ कराया जाए और आगे ऐसी स्थिति दोबारा न बनने पाए इसके लिए निगरानी रखी जाए। इसके बाद राजकीय उद्यान वाली रोड, आलमबाग चौराहा और चंदन नगर सब्जी मंडी का निरीक्षण नगर आयुक्त ने किया। यहां कई स्थानों पर समय से झाड़ू न लगने और इकट्ठा किए गए कूड़े के उठान में देरी की शिकायत लोगों ने की। नगर आयुक्त ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए संबंधित कार्यदाई संस्था लॉयन एनवायरो पर 5,000 का जुमार्ना लगाया और चेतावनी दी कि भविष्य में यदि ऐसी लापरवाही दोबारा पाई गई तो बड़ी कार्यवाही की जाएगी। नगर आयुक्त ने गोविंद नगर वार्ड का भी निरीक्षण किया। आदर्श नगर क्षेत्र की बैक लेन और पार्कों में साफ सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। ट्रांसफार्मर के आसपास सफाई कराने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त आलमबाग बस स्टैंड भी पहुंचे। वहां एक निजी प्रतिष्ठान द्वारा आसपास गंदगी फैलाने और अतिक्रमण किए जाने व गंदगी फैलाने की शिकायत मिली। नगर आयुक्त ने मौके पर ही उस प्रतिष्ठान पर 10,000 का जुमार्ना लगाया और निर्देश दिया कि यदि दोबारा ऐसी स्थिति पाई गई तो प्रतिष्ठान के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि लखनऊ की स्वच्छता और सुंदरता हम सभी की जिम्मेदारी है। लापरवाही करने वाले किसी भी व्यक्ति या संस्था को बख्शा नहीं जाएगा। इस निरीक्षण में अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, जोनल अधिकारी नंद किशोर, संबंधित पार्षद प्रतिनिधि और नगर निगम के जोन-5 के अधिकारी उपस्थित रहे।

एकेटीयू के नाम पर खोला फर्जी खाता उड़ाए 120 करोड़,साइबर क्राइम टीम ने मास्टरमाइंड को पकड़ा

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में एकेटीयू (डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी) के नाम पर यूनियन बैंक में फर्जी खाता खोलकर एक गैंग ने 120 करोड़ की रकम बैंक से निकलवा ली। पुलिस ने इस हाई-प्रोफाइल ठगी के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं इससे पहले इस मामले में 10 आरोपियों को पड़कर पुलिस जेल भेज चुकी है। 12 जून 2024 को यूनियन बैंक के मैनेजर अनुज सक्सेना को एकेटीयू की ओर से एक ईमेल आया, जिसमें यूनिवर्सिटी के नाम पर बड़ी रकम की फिक्स डिपॉजिट (एफडी) कराने की बात कही गई थी। बैंक को जो डॉक्यूमेंट्स भेजे गए थे, वे पूरे प्रोफेशनल लग रहे थे। मेल आईडी, लेटरहेड, सिग्नेच सब कुछ एकदम असली जैसे। बैंक ने बिना शक किए यूनिवर्सिटी के नाम से खाता खोल दिया और सरकारी फंड के 120 करोड़ उसमें जमा हो गए। कुछ ही घंटों में यह रकम आरटीजीएस और हवाला के जरिए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दी गई। पकड़ा गया आरोपी अहमदाबाद का रहने वाला है। उसने बताया कि उसका काम ही है हवाला और आरटीजीएस से पैसा इधर-उधर करना। बड़े कमीशन पर वह अलग-अलग फर्जी खातों के जरिए पैसा ट्रांसफर करता था और फिर कैश में आगे पहुंचा देता था। उसने बताया कि मई 2024 में अहमदाबाद में एक मीटिंग हुई थी जिसमें यूपी में आने वाले बड़े फंड की बात हुई। प्लान बना कि इस पैसे को क्लियर करने के लिए वह अहमदाबाद से ऑपरेट करेगा। 7 जून को लखनऊ से एक करोड़ की डिमांड आई, तो उसने एमआई ट्रेडर्स नाम से फर्जी खाता भेजा। उसमें श्रद्धा एजुकेशनल ट्रस्ट से 17 लाख ट्रांसफर हुए। इसके बाद आरोपी ने अपनी दूसरी फर्म गैशाला के अकाउंट में 135 लाख मंगवाए, और 61 लाख कैश में निकलवा लिए। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने 1 करोड़ लखनऊ और 30 लाख सूरत हवाला से भिजवाए। जो पैसा बचा, वो उसने अपने पास कमीशन के तौर पर रख लिया।

इन्दिरा नगर आवासीय महा समिति ने खुशी जतायी

लखनऊ (संवाददाता)। इन्दिरा नगर आवासीय महासमिति के अध्यक्ष देवी शरण त्रिपाठी एवं महासचिव सुशील कुमार बच्चा ने बधाई देते हुए बताया कि जीतो कार्निवाल के दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान एक भव्य मंच पर वन्दे भारत ट्रेन के जनक डा. इं. सुधांशु को उनकी इस उपलब्ध के लिए जीतो लखनके चौप्टर के चेयर मैन इं.पवन कुमार जैन ने अपनी पूरे टीम के साथ सम्मानित किया है। श्री त्रिपाठी तथा श्री बच्चा ने यह भी बताया है कि वंदे भारत ट्रेन के जनक व निमार्ता डॉ. सुधांशु मणि का जन्म गोरखपुर तथा शिक्षा दीक्षा लखनऊ काल्विन तालुकेदार कॉलेज में हुई उन्होंने 18 महीने के अंदर देश को वंदे भारत ट्रेन का तोहफा कम समय में तैयार कर दिया है। प्रदेश की इस विभूति से पूरा देश गौरांवित है, इनकी इस उपलब्धि के लिए मुख्य मंत्री से अपील की जाती है कि लखनऊ एवं गोरखपुर की इस महान विभूति को प्रदेश स्तर पर सम्मानित किया जाएं जिससे राष्ट्र के निर्माण में जनता के बीच अच्छा सन्देश जाए।महासमिति ने सभी संगठनों से अनुरोध किया है कि प्रदेश का नाम रोशन करने वाले इस विभूति को सम्मानित करें, जिसे देश के निर्माण में एक नया उत्साह जगेगा। इस अवसर पर बधाई देने वाले हास्य कवि सर्वेश अस्थाना डॉ० एम०एल भट्ट, राघवेंद्र शुक्ला,अचल मेहरोत्रा सतीश कुमार पांडेय, शेखर श्रीवास्तव एवं मुकुल महान आदि रहे।

बंद घर में चोरी करने वाले मां-बेटे गिरफ्तार,चोरी का सामान बरामद

लखनऊ (संवाददाता)। नगराम पुलिस ने बंद घर में चोरी के आरोप में मां-बेटे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से चोरी का कुछ सामान भी बरामद किया है। दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थाना प्रभारी विवेक कुमार चौधरी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त तुलसी (27) और उसकी मां ज्ञानवती (55) को गिरफ्तार किया गया। तुलसी को नेवाज खेड़ा मोड़ से और ज्ञानवती को उनके घर से पकड़ा गया। पुलिस ने तुलसी के कब्जे से दो बोरी सरसों, ज्ञानवती से 3100 रुपए नकद और तीन जोड़ी बिछिया बरामद की हैं। पूछताछ में अभियुक्त तुलसी ने बताया कि करवा चौथ की रात उसने अपने पड़ोसी विवेक त्रिवेदी के घर से दो बोरी सरसों, पांच चांदी के सिक्के, तीन जोड़ी चांदी की बिछिया, एक जोड़ा सोने के टॉप्स और 500 रुपए चुराए थे। उसने यह भी बताया कि चुराए गए जेवरात मां के साथ मिलकर सुनार को बेच दिए थे।

मार्ट प्रीपेड मीटर मे बड़ा गोलमाल, आम जनता पर आर्थिक बोझ

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में बिना विद्युत नियामक आयोग की अनुमति के बिजली उपभोक्ताओं पर स्मार्ट प्रीपेड मीटर थोप कर उनकी जेब पर सीधा हमला किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष एवं राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने आज एक बड़े घोटाले का खुलासा करते हुए बताया कि केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित 18,885 करोड़ की योजना को 27,342 करोड़ में पास कर देश के कुछ बड़े निजी घरानों को टेंडर दे दिया गया। यह कुल लागत से लगभग 8,500 करोड़ अधिक है। सवाल यह कि इसका भुगतान कौन करेगा, यह स्पष्ट नहीं है। इस पूरे मामले की केंद्र सरकार सीबीआई से जांच कर ले बड़ा मामला सामने आएगा। भारत सरकार और विद्युत नियामक आयोग पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि आरडीएसएस के अंतर्गत स्मार्ट प्रीपेड मीटर का खर्च उपभोक्ताओं से नहीं वसूला जा सकता। इसके बावजूद उत्तर प्रदेश में सिंगल फेस स्मार्ट प्रीपेड मीटर के लिए घ6016, और थ्री फेस मीटर के लिए 11,342 जबरन वसूले जा रहे हैं, जबकि महाराष्ट्र जैसे राज्यों में यही मीटर 2610 सिंगल फेस और 4050 थ्री फेस में लगाए जा रहे हैं। श्री वर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष द्वारा दिए गए बयानों में यह भी कहा गया है कि भविष्य में सिंगल फेस मीटर की कीमत 8000 से भी ऊपर जा सकती है,जो आम उपभोक्ताओं के लिए अत्यंत चिंताजनक है।एक और गंभीर अनियमितता की ओर इशारा करते हुए उन्होंने बताया कि जिन निजी कंपनियों को टेंडर दिए गए, उन्हें नियमानुसार 10: परफॉर्मेंस गारंटी जमा करनी थी, लेकिन उनकी खराब आर्थिक स्थिति का हवाला देकर अगस्त 2023 में यूपीपीसीएल के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने इसे सिर्फ 3 प्रतिशत कर दिया। करोड़ों का लाभ निजी कंपनियों को पहुंचाया गया, लेकिन आम जनता को कोई राहत नहीं दी गई।यह भी उल्लेखनीय है कि ष्ऑल इंडिया डिस्कॉम संगठनष, जिसे करोड़ों का चंदा बिजली कंपनियों द्वारा दिया गया, उसके अध्यक्ष महाराष्ट्र विद्युत कंपनी के मुखिया हैं और महासचिव उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष हैं।

संक्षिप्त खबरें

350 मोबाइल मिले मालिकों को,जीआरपी और पुलिस ने चार करोड़ के मोबाइल बरामद किये

लखनऊ (संवाददाता)। दिवाली से पहले लखनऊ पुलिस और जीआरपी ने लोगों की खुशियां दोगुनी कर दी हैं। संयुक्त अभियान में चार करोड़ रुपये कीमत के करीब 350 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को लौटाए गए। मोबाइल फोन बरामद करने में सर्विलांस टीम और ट्रैकिंग सिस्टम की अहम भूमिका रही। लखनऊ पूर्वी जोन की सर्विलांस सेल ने अभियान के दौरान 111 मोबाइल फोन बरामद किए, जिनकी कुल कीमत लगभग 22 लाख रुपये बताई गई है। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह और जीआरपी एसपी रोहित मिश्रा ने खुद मोबाइल उनके मालिकों को सौंपे। मोबाइल बरामदगी अभियान में चारबाग जीआरपी इंस्पेक्टर की भी अहम भूमिका सामने आई। उनकी टीम ने रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में चोरी या गुम हुए मोबाइलों को ट्रैक कर कई केस सुलझाए। जब लोगों को उनके मोबाइल वापस मिले, तो उनके चेहरों पर मुस्कान लौट आई। किसी का फोन छह महीने से गुम था, तो किसी का नया खरीदा मोबाइल ट्रेन में छूट गया था। पुलिस की इस पहल ने उनकी दिवाली को और भी खास बना दिया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि यदि उनका मोबाइल फोन खो गया है तो वे तुरंत रिपोर्ट दर्ज कराएं। आधुनिक तकनीक और ट्रैकिंग सिस्टम के जरिए ऐसे मोबाइल अब आसानी से बरामद किए जा सकते हैं।

वेतन-बोनस न मिलने पर सिविल अस्पताल में सफाई कर्मियों का प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल में शुक्रवार को आउटसोर्स सफाई कर्मियों ने काम ठप करके जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मियों का कहना था कि दिवाली के त्योहार पर बोनस और वेतन उनको नहीं मिला है। समय से वेतन और बोनस निर्गत करने के लिए कहा गया था पर इसके बावजूद प्रशासन की अनदेखी से वेतन नहीं मिली। इसी के चलते सभी ने काम ठप करते हुए नारेबाजी और प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान एक महिला कर्मी की तबीयत भी अचानक बिगड़ गई। जिसके बाद उसे लेकर साथी कर्मी इमरजेंसी पहुंचे। जहां थोड़ी देर बाद डॉक्टरों की निगरानी में उसे रखा गया। फिर उसे राहत मिली। सफाई कर्मियों का कहना था कि दिन-रात काम करने के बावजूद समय से वेतन नहीं मिलता है। जबकि उनसे बेहिसाब काम लिया जाता है। इसके अलावा छुट्टी और बोनस को लेकर भी कोई सुनवाई नहीं होती। यही कारण है कि उन्हें प्रदर्शन करना पड़ रहा है। इस मामले में सिविल अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.एसके पांडेय ने बताया कि निजी आउटसोर्स एजेंसी के जरिए करीब 75 सफाई कर्मियों को तैनात किया गया है। इनका पेमेंट छब्ड द्वारा किया जाता है। गुरुवार को पेमेंट होना था पर ट्रेजरी में किसी अड़चन के चलते पेमेंट नहीं हो सका। आज सभी का पेमेंट कर दिया गया है। प्रदर्शन करने वाले सभी सफाई कर्मी काम पर भी लौट आए हैं। मरीज से जुड़ा कोई काम इसलिए प्रभावित नहीं हुआ। क्योंकि इस दौरान अस्पताल के परमानेंट सफाई कर्मी काम पर मौजूद थे।

नगर आयुक्त के चौंबर के बाहर नगर निगम ठेकेदारों का प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम कॉन्ट्रैक्ट एसोसिएशन ने अपनी मांगों को लेकर नगर निगम मुख्यालय में धरना दे रहे हैं। सुबह 11 बजे से ठेकेदार नगर आयुक्त गौरव कुमार के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे। ठेकेदार एकता जिंदाबाद, ठेकेदारों की पेमेंट करो के नारे लग रहे हैं। ठेकेदारों का कहना है कि 2022-23 सितंबर के दौरान नगर निगम ने करीब 100 ठेकेदारों के पेमेंट का भुगतना किया है, लेकिन 300 ठेकेदारों का पेमेंट नहीं किया गया है। त्योहार का समय है। दीपावली है। इस दौरान मार्केट की उधारी देने सहित घर की जरूरतों को पूरा करने के लिए कामों का बकाया पेमेंट किया जाए। जीएसटी भी दी जाए। महामंत्री मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कई काम ऐसे हैं, जिनकी पेमेंट 2016 तक से नहीं की गई है। ऐसे में ठेकेदार कैसे काम करेंगे? ठेकेदारों एसोसिएशन के महामंत्री मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि ठेकेदार अपने पेमेंट को लेकर लगातार मांग कर रहे हैं। सिर्फ आश्वासन मिल रहा है। मामले में नगर आयुक्त गौरव कुमार और मेयर सुषमा खर्कवाल को पत्र लिखा गया है। वहीं, ठेकेदारों ने बताया कि दीपावली के पहले पेमेंट करने की बात कही गई थी, लेकिन अभी तक भुगतान नहीं हुआ है।

किसानों ने लखनऊ कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन,अधिकारियों पर फर्जी मुकदमे लगाने का आरोप

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ जनपद के किसानों ने जिला कलेक्ट्रेट का घेराव करके विरोध प्रदर्शन किया। श्भारतीय किसान यूनियनश के बैनर तले सरकार तक अपनी बात पहुंचाने के लिए किसान इकट्ठा हुए। जिला अध्यक्ष आलोक वर्मा के नेतृत्व में प्रदर्शन कर रहे किसानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। किसानों ने आरोप लगाया कि सरोजनीनगर विधायक राजेश्वर सिंह के दबाव में अधिकारी काम कर रहे हैं। उन्हीं के कहने पर किसानों पर फर्जी मुकदमे लगाए जा रहे हैं। आज अन्नदाता राजनीति का शिकार हो रहा है। आलोक वर्मा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि देश और प्रदेश में किसान परेशान है। यूपी में किसानों को बिजली मुफ्त देने की बात हई थी। गन्ने का समर्थन मूल्य बढ़ाने को कहा गया था। मगर कोई भी वादा आजतक पूरा नहीं किया गया है। किसानों के जमीन अधिग्रहण के मुआवजे भी बहुत कम दिए जा रहे है। इसके साथ ही बारिश से किसानों की आलू और सरसों की फसलों का जो नुकसान हुआ है उसका सर्वे करवाकर उचित मुआवजा दिया जाए। आलोक वर्मा ने कहा कि मुफ्त बिजली, गन्ने के समर्थन मूल्य में वृद्धि और बकाया भुगतान नहीं हो रहा। स्मार्ट मीटर प्रदेश भर में लगाया जा रहा है जिसका किसान यूनियन विरोध करता है। उन्होंने कहा कि लखनऊ के किसानों का लगातार उत्पीड़न हो रहा है। स्थानीय विधायक के इशारे पर फर्जी मुकदमों में किसानों को फंसाया जा रहा है। हमारा अन्नदाता राजनीतिक द्वेष भावना का शिकार हो रहा है। किसानों को डरा धमका कर संगठन की ताकत को कमजोर करने का प्रयास शर्मनाक है। आलोक वर्मा ने सरकार को चेतावनी देते हुए जल्द मांगें पूरी करने की बात कही। उन्होंने कहा कि किसानों की मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो भारतीय किसान यूनियन प्रदेशभर में नई रणनीति के तहत व्यापक आंदोलन करेगा। सबसे पहले कुछ कमेटी के द्वारा उन अधिकारियों की जांच हो जो किसानों पर दबाव बनाकर उन्हें धरना प्रदर्शन से रोकते हैं और फर्जी मुकदमे लिख रहे हैं। संबंधित मांगों को लेकर डीएम के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजा है।

दीपावली-छठ पर सड़कों पर उतरेंगी 950 बसें, 150 बस बैकअप में

लखनऊ (संवाददाता)। दीपावली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की भीड़ को देखते हुए परिवहन निगम ने लखनऊ परिक्षेत्र से कुल 950 बसों का संचालन करने का निर्णय लिया है। 105 अतिरिक्त बसों को बैकअप के रूप में तैयार रखा गया है, जिन्हें जरूरत पड़ने पर तुरंत सड़क पर उतारा जाएगा। यह जानकारी लखनऊ परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक आरके त्रिपाठी ने दी। आरके त्रिपाठी ने बताया कि 18 से 30 अक्टूबर तक पूरे परिक्षेत्र में कर्मचारियों की छुट्टियां निरस्त कर दी गई हैं ताकि किसी भी स्थिति में बस संचालन प्रभावित न हो। दीपावली 20 अक्टूबर और छठ पर्व 28 अक्टूबर को मनाया जाएगा, इसलिए इन तिथियों के आसपास अतिरिक्त सतर्कता बरती जाएगी। सभी बस अड्डों पर कर्मचारी 24 घंटे यात्रियों की सहायता के लिए तैनात रहेंगे। त्योहारी सीजन में लखनऊ से गोरखपुर, दिल्ली, बहराइच, गोंडा, बलरामपुर, कानपुर, आजमगढ़, देहरादून, हरिद्वार, वाराणसी और प्रयागराज रूटों पर बसें चलाई जाएंगी।

सम्पादकीय

जोहो से फायदा या उलझन

इस साल लाल किले से भाषण देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया। इसके बाद कई और मंचों से उन्होंने यही आग्रह किया कि हमें आत्मनिर्भर होना है तो विदेशी वस्तुओं का त्याग करना पड़ेगा। हालांकि यह त्याग केवल वस्तुओं तक सीमित नहीं रहा, अब तकनीकी में भी स्वदेशी पर जोर दिया जा रहा है। हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह ने जानकारी दी कि उनका ईमेल अब जोहो पर शिफ्ट हो गया है। उनके अलावा कई और केन्द्रीय मंत्री और केन्द्रीय एजेंसियों के करीब 12 लाख कर्मचारियों के ईमेल सरकारी एनआईसी. इन से हटाकर प्राइवेट कंपनी जोहो पर शिफ्ट हो गये। इसमें प्रधानमंत्री कार्यालय भी शामिल है। डोमेन तो एनआईसी.इन या जीओवी.इन ही है, लेकिन स्टोरेज, एक्सेस और प्रोसेसिंग सब जोहो के जिम्मे रहेगा। हाल ही में शिक्षा मंत्रालय ने 3 अक्टूबर 2025 को आदेश जारी किया कि जोहो सूट का इस्तेमाल करो। तकनीकी में स्वदेशी का इस्तेमाल खुशी की बात है। दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इस दिशा में अनुकरणीय काम किया है। और उनसे भी पहले 1976 में, जिस साल को केवल आपातकाल के लिए याद किया जाता है, प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने नेशनल इनफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) की स्थापना की थी, जो डिजिटल इंडिया और ई-गवर्नेंस का आधार बनी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन एनआईसी भारत सरकार का प्रमुख आई टी संगठन है। एनआईसी ने डिजिटल क्रांति को संभव बनाया, लेकिन क्या अब इसे भी स्वदेशी के नाम पर तिलांजलि दी जा रही है, जबकि यह सच्चा स्वदेशी है। क्योंकि यह सरकारी उपक्रम है। जबकि जोहो एक निजी उपक्रम है, गूगल की तरह ही अगर सरकार को लगता है कि गूगल पर सब कुछ उपलब्ध होने से निजता का खतरा रहेगा, तो जोहो के साथ भी वही खतरा बरकरार रहेगा। बता दें कि 2022 में हैकर्स ने एम्स के 5 सर्वर और 1.3 टीबी से ज्यादा डेटा पर कब्जा कर लिया था। इससे सरकार को काफी नुकसान हुआ। तभी यह बात चली कि स्वदेशी संचार तंत्र होता तो ऐसा नहीं होता। इसके बाद स्वदेशी संचार तंत्र की तलाश में 2023 में केंद्रीय सूचना मंत्रालय ने सुरक्षित मेल सेवाएं देने के लिए टेंडर निकाले। टेंडर जोहो मेल ने जीता। नेशनल इंफॉर्मेटिक सेंटर ने 20 गोपनीय सुरक्षा मापदंडों पर जोहो मेल का ऑडिट किया। भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल जैसी सुरक्षा एजेंसियों ने जोहो की स्वतंत्र सुरक्षा जांच की। इसके बाद जोहो पर भरोसा किया गया। 2023 में डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन के साथ 7 साल के अनुबंध बाद एनआईसी के डोमेन से पीएमओ समेत सभी सरकारी ईमेल जोहो पर चले गए। इसका मतलब है कि सरकारी फाइल्स और दस्तावेजों तक अब जोहो की पहुंच है। सरकार स्वदेशी की बात तो करती है लेकिन सॉफ्टवेयर की निजी कंपनी में स्वदेशी और परदेशी के बीच की जो महीन रेखा है, वो कब पार हो जाएगी, पता भी नहीं चलेगा। वैसे 1996 में बने जोहो कॉर्पोरेशन के कर्ताधर्ता श्रीधर वेम्बू की सरकार से नजदीकी छिपी हुई नहीं है। वे काफी हद तक संघ की विचारधारा के करीब हैं, हालांकि वे इसे स्वीकार नहीं करते हैं। कुछ समय पहले नंगे पैर चलने के स्वास्थ्य लाभ बताने वाली उनकी एक पोस्ट पर आलोचना हुई तो उन्होंने कहा था कि उन्हें संघी कहकर भी आलोचना की जाती है। ध्यान देने वाली बात ये है कि 22 नवंबर 2024 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन में वेम्बू मुख्य अतिथि थे जो गोरखपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय यूनिवर्सिटी में आयोजित था। वे इससे पहले चेन्नई में एबीवीपी संगमम में भी शामिल हुए थे। फरवरी 2019 में वेम्बू चेन्नई के आरएसएस आयोजन में मुख्य अतिथि थे। मोदी सरकार ने 2021 में वेम्बू को पद्मश्री से सम्मानित किया था। इसी साल वे अजीत डोभाल के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड में सदस्य बने और 2024 में यूजीसी के सदस्य बने। यह अघोषित तौर पर समझी हुई बात है कि मोदी सरकार में इस तरह की नियुक्तियां या सम्मान किन लोगों के हिस्से आता है। इसलिए जोहो पर सरकार की इतनी मेहरबानी पर अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या जोहो की आड़ में संघ की पूरी पहुंच देश से जुड़े संवेदनशील डेटा तक बना दी गई है। बता दें कि हाल ही में जोहो ने व्हाट्सऐप जैसा अरात्ती मैसेंजर लॉन्च किया है, तमिल में अरात्ती का मतलब बातचीत होता है। पहल अच्छी है, लेकिन निजता का सवाल उलझा हुआ है। सोशल मीडिया पर एक टिप्पणी थी कि सिंगल टिक यानी संदेश भेजना, डबल टिक यानी मैसेज पहुंचना और अमित शाह की तस्वीर यानी मैसेज का पढ़ा जाना। याद रहे कि व्हॉट्सऐप पर मैसेज पढ़ने पर नीले टिक का प्रावधान है, लेकिन अरात्ती पर अमित शाह की तस्वीर का तंज कसकर आगाह किया गया कि आपके सारे संदेश यहां पढ़े जाएंगे। जोहो की काबिलियत और क्षमता पर तकनीकी जानकार ही बेहतर बता सकेंगे कि क्या गूगल का मुकाबला वह कर सकता है या नहीं, लेकिन यहां काबिलियत से भी गंभीर सवाल नीयत का उठता है। क्योंकि मोदी सरकार पर अक्सर आरोप लगते हैं कि सरकार की आलोचना या नरेन्द्र मोदी पर की गई कोई भी टिप्पणी सीधे देश विरोध से जोड़ दी जाती है।

यूपी की राज्यपाल महिलाओं—बच्चों की बदहाली पर चुप क्यों?

उत्तर प्रदेश में स्कूलों में 21.83 लाख नामांकन पिछले साल की तुलना में कम हुए, जबकि बिहार में 6.14 लाख, राजस्थान में 5.63 लाख और पश्चिम बंगाल 4.01 लाख नामांकन कम हुए हैं। उत्तर प्रदेश में मील कवरेज में 5.41 लाख छात्रों की कमी आई। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर एक बार फिर चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने महिलाओं और छात्राओं को चेतावनी दी कि अगर सावधानी नहीं बरती गई तो परिणाम भयावह हो सकते हैं। पटेल का कहना है कि दूर रहें, वरना आप 50 टुकड़ों में मिलेंगी। यह टिप्पणी उनके पिछले दावे के ठीक अगले दिन आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि लिव-इन रिलेशनशिप का असर देखने के लिए किसी अनाथालय में जाना चाहिए, जहाँ 15 साल की लड़कियाँ अपने बच्चों के साथ कतार में खड़ी होती हैं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों और न्यायाधीशों के साथ बैठक में भी छात्रों को लिव-इन रिलेशनशिप से बचाने के उपाय सुझाए थे। राज्यपाल पटेल का यह बयान निश्चित तौर पर युवतियों को जागरुक करने वाला और लिव इन रिलेशनशिप के खतरों से आगाह करने वाला है। सवाल यही है कि क्या उत्तर प्रदेश की युवतियों और महिलाओं के समक्ष यही एक खतरा है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल ने महिलाओं से जुड़े सिर्फ एक खतरे के सावचेत रहने की सीख दी है। लिव इन रिलेशनशिप के नकारात्मक पहलू हैं जरूर, लेकिन इस चलन अभी व्यापक रूप से नहीं है। महिला राज्यपाल उत्तर प्रदेश में महिलाओं से जुड़े अन्य खतरों को अनदेखा कर गई, क्योंकि शायद वहां भाजपा की सरकार है। अन्य खतरे लिव इन रिलेनशिप से कहीं ज्यादा गंभीर है। इनका निदान भी सरकार के लिए आसान नहीं है। राज्यपाल ने कभी इन खतरों का जिक्र तक नहीं किया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,48,211 मामले दर्ज किए गए। इनमें उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 66,381 मामले, उसके बाद महाराष्ट्र में 47,101 और राजस्थान में 45,450 मामले दर्ज किए गए। इन तीनों राज्यों में से महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में वर्ष 2023 में भी भाजपा की सरकारें थी। ऐसे में भाजपा महिला अपराधों की जिम्मेदारी से भाग नहीं सकती। महिलाओं से जुड़े साइबर अपराधों में लखनऊ का देश में चौथा स्थान है, जिसमें अश्लील फोटो-वीडियो और फेक कंटेंट जैसे मामले शामिल हैं। इस श्रेणी में लखनऊ से आगे बैंगलुरु, हैदराबाद और दिल्ली हैं। उत्तर प्रदेश जहां महिला अपराधों में अग्रणी है, वहीं महिलाओं और बच्चों के अन्य मामलों में पिछड़ा हुआ है। देश के 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के 63 जिलों में 50 फीसदी से अधिक बच्चे आंगनवाड़ियों में नामांकित हैं और कुपोषित पाए गए हैं, जिनमें से 34 जिले अकेले उत्तर प्रदेश के हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के जून 2025 के पोषण ट्रैकर के अनुसार महाराष्ट्र, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम के कुछ जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 34 जिले ऐसे हैं जहां बच्चों में कुपोषण की दर 50 फीसदी से अधिक है। इसके बाद मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार और असम का स्थान है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक स्वास्थ्य रिपोर्ट (2024-25) के अनुसार, विगत वर्षों में सुधार के बावजूद उत्तर प्रदेश भारत में सबसे अधिक बाल मृत्यु दर वाले राज्यों में शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में प्रत्येक 1,000 बच्चों में से 43 बच्चे अपने पाँचवें जन्मदिन से पहले मर जाते हैं। वर्तमान शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) 1,000 जीवित जन्मों पर 38 है, जबकि नवजात मृत्यु दर(आईएमआर) 28 है। यूनिसेफ इंडिया रिपोर्ट 2020 के अनुसार लगभग 46% मातृ मृत्यु और 40% नवजात मृत्यु प्रसव के दौरान या जन्म के बाद पहले 24 घंटों के भीतर हो जाती हैं। उत्तर प्रदेश में स्कूलों में 21.83 लाख नामांकन पिछले साल की तुलना में कम हुए, जबकि बिहार में 6.14 लाख, राजस्थान में 5.63 लाख और पश्चिम बंगाल 4.01 लाख नामांकन कम हुए हैं। उत्तर प्रदेश में मील कवरेज में 5.41 लाख छात्रों की कमी आई। यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन (यूडीआइएसई) की वर्ष 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश के 18 प्रतिशत सरकारी स्कूलों, अर्थात लगभग 27,000 स्कूलों के भवन जर्जर स्थिति में हैं। इनमें से कई स्कूलों की छतें और दीवारें खतरनाक स्थिति में हैं। लखनऊ में प्राथमिक विद्यालय और नसीराबाद में छत का प्लास्टर गिरने से दो बच्चे घायल हो गये। नोएडा और गोरखपुर के इलाकों से भी ऐसी ही घटनाएँ सामने आ चुकी हैं। एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन (एएसईआर) 2024 की रिपोर्ट बताती है कि उत्तर प्रदेश के 22 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में कार्यशील शौचालय ही उपलब्ध नहीं हैं और 35 प्रतिशत स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग शौचालय नहीं हैं। लगभग 40 प्रतिशत विद्यालयों में तो नियमित स्वच्छता व्यवस्था ही नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और गम्भीर है, जहाँ शौचालयों की कमी के कारण लड़कियों की ड्रॉपआउट दर में 10-12 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी है। शिक्षा मंत्रालय की 2024-25 की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश के 28 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में पेयजल की सुविधा नहीं है और 40 प्रतिशत स्कूलों में बिजली कनेक्शन उपलब्ध नहीं है। आश्चर्य यह है कि राज्यपाल आनंदी बेन ने उत्तर प्रदेश में महिलाओं और बच्चों से जुड़े इन मुद्दों का कभी जिक्र तक नहीं किया। बेहतर होता कि जिस तरह राज्यपाल पटेल ने लिव इन रिलेशनशिप से युवतियों को आगाह किया, उसी तरह योगी सरकार को भी आगाह करती तो शायद उत्तर प्रदेश में महिलाओं की मौजूदा हालत बेहतर हो सकती थी।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों और न्यायाधीशों के साथ बैठक में भी छात्रों को लिव-इन रिलेशनशिप से बचाने के उपाय सुझाए थे। राज्यपाल पटेल का यह बयान निश्चित तौर पर युवतियों को जागरुक करने वाला और लिव इन रिलेशनशिप के खतरों से आगाह करने वाला है। सवाल यही है कि क्या उत्तर प्रदेश की युवतियों और महिलाओं के समक्ष यही एक खतरा है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल ने महिलाओं से जुड़े सिर्फ एक खतरे के सावचेत रहने की सीख दी है। लिव इन रिलेशनशिप के नकारात्मक पहलू हैं जरूर, लेकिन इस चलन अभी व्यापक रूप से नहीं है। महिला राज्यपाल उत्तर प्रदेश में महिलाओं से जुड़े अन्य खतरों को अनदेखा कर गई, क्योंकि शायद वहां भाजपा की सरकार है। अन्य खतरे लिव इन रिलेनशिप से कहीं ज्यादा गंभीर है। इनका निदान भी सरकार के लिए आसान नहीं है। राज्यपाल ने कभी इन खतरों का जिक्र तक नहीं किया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,48,211 मामले दर्ज किए गए। इनमें उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 66,381 मामले, उसके बाद महाराष्ट्र में 47,101 और राजस्थान में 45,450 मामले दर्ज किए गए। इन तीनों राज्यों में से महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में वर्ष 2023 में भी भाजपा की सरकारें थी। ऐसे में भाजपा महिला अपराधों की जिम्मेदारी से भाग नहीं सकती। महिलाओं से जुड़े साइबर अपराधों में लखनऊ का देश में चौथा स्थान है, जिसमें अश्लील फोटो-वीडियो और फेक कंटेंट जैसे मामले शामिल हैं। इस श्रेणी में लखनऊ से आगे बैंगलुरु, हैदराबाद और दिल्ली हैं। उत्तर प्रदेश जहां महिला अपराधों में अग्रणी है, वहीं महिलाओं और बच्चों के अन्य मामलों में पिछड़ा हुआ है। देश के 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के 63 जिलों में 50 फीसदी से अधिक बच्चे आंगनवाड़ियों में नामांकित हैं और कुपोषित पाए गए हैं, जिनमें से 34 जिले अकेले उत्तर प्रदेश के हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के जून 2025 के पोषण ट्रैकर के अनुसार महाराष्ट्र, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम के कुछ जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 34 जिले ऐसे हैं जहां बच्चों में कुपोषण की दर 50 फीसदी से अधिक है। इसके बाद मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार और असम का स्थान है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक स्वास्थ्य रिपोर्ट (2024-25) के अनुसार, विगत वर्षों में सुधार के बावजूद उत्तर प्रदेश भारत में सबसे अधिक बाल मृत्यु दर वाले राज्यों में शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में प्रत्येक 1,000 बच्चों में से 43 बच्चे अपने पाँचवें जन्मदिन से पहले मर जाते हैं। वर्तमान शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) 1,000 जीवित जन्मों पर 38 है, जबकि नवजात मृत्यु दर(आईएमआर) 28 है। यूनिसेफ इंडिया रिपोर्ट 2020 के अनुसार लगभग 46% मातृ मृत्यु और 40% नवजात मृत्यु प्रसव के दौरान या जन्म के बाद पहले 24 घंटों के भीतर हो जाती हैं।

सत्य के सच की मीमांसा, सत्य की सार्वभौमिकता सदैव शाश्वत

संजीव ठाकुर

मनुष्य का समग्र विकास उसकी अदम्य जिज्ञासा, असीम उत्साह, जिजीविषा और निरंतर उन्नति की आकांक्षा का प्रतिफल है। सभ्यता और संस्कृति के विकास-पथ पर मूल्यों का पुनसंयोजन और परिवर्तन सृष्टि का स्वाभाविक क्रम है, क्योंकि परिवर्तन ही प्रकृति का सनातन नियम है। विकास के पथ पर धन की भूमिका अवश्य है, परंतु जब धन स्वयं लक्ष्य बन जाए तो वह दिशा को दिग्भ्रमित कर देता है। परिस्थितियों, आवश्यकताओं और युगीन दर्शन के अनुरूप समाज का दृष्टिकोण निरंतर परिवर्तित होता रहता है, किंतु सत्य कृ वह तत्व है जो समय, देश, समाज, धर्म और संस्कृति से परे, सर्वकालिक और सर्वमान्य बना रहता है। आदिकाल से ही मानव जीवन में धन और सत्य दोनों की अपनी विशिष्ट भूमिका रही है। धन जीवन की सुविधा का साधन है, जबकि सत्य उसके अस्तित्व का आधार। धन का महत्व है, परंतु धनबल सब कुछ नहीं। सत्य वह दिव्य आलोक है जो अंधकार के पार भी अपनी ज्योति बनाए रखता है। महात्मा गांधी ने कहा था कृ सत्य ही ईश्वर है और ईश्वर ही सत्य। गांधीजी का सम्पूर्ण जीवन इस उद्घोष का साक्षात रूप था। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सत्य केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवन की जीवन्त ऊर्जा है। स्वामी विवेकानंद भी कहते हैं कृ सत्य में वह शक्ति है जो मानव को असीम बल प्रदान करती हैय जो सत्य का पालन करता है, उसे कोई भी शक्ति रोक नहीं सकती। वेदों और उपनिषदों में भी सत्य को सर्वोच्च मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। सत्यमेव जयते नानृतं कृ (मुंडक उपनिषद) कृ यह केवल वाक्य नहीं, भारतीय जीवन-दर्शन का सार है। भारतीय परंपरा में सत्य को मन, वचन और कर्म की एकता में देखा गया है कृ सांच को आंच नहीं जैसी लोक कहावतें इसी शाश्वत सत्य की जनभाषा में व्याख्या हैं। महात्मा बुद्ध ने कहा कृ तीन बातों को लंबे समय तक छिपाया नहीं जा सकतारू सूर्य, चंद्रमा और सत्य। सुकरात ने भी सत्य के लिए अपने प्राणों की आहुति दी, पर अपने सिद्धांत से विचलित नहीं हुए। इमैनुएल कांट ने अपनी नैतिक दार्शनिकता में कहा कृ सत्य बोलना नैतिक कर्तव्य है, चाहे उसके परिणाम कुछ भी हों। लियो टॉलस्टॉय ने इसे मानवीय आत्मा की सर्वोच्च अवस्था माना कृ सत्य वही है जो आत्मा को स्वतंत्र करता है। वेदों में कहा गया है कृ सत्य का सुख स्वर्ण-पात्र से ढका हुआ है।जब धन मुखर होता है, तब सत्य नेपथ्य में चला जाता है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब धनबल और सत्ता ने नैतिकता को निगला, तब-तब सभ्यताओं ने पतन देखा है। धन का अतिरेक समाज को नैतिक भ्रम में डाल देता हैय भोग और उपभोग की संस्कृति में त्याग, संयम और संतुलन जैसे मूल्य विलुप्त होते जाते हैं। पश्चिमी औद्योगिक क्रांति के पश्चात धन का प्रभाव वैश्विक स्तर पर इतना बढ़ा कि समाज, राजनीति, धर्म, यहां तक कि शिक्षा और अध्यात्म भी आर्थिक निदेशों के अधीन होते चले गए। आज धन का नियंत्रण इतना व्यापक है कि राजनीति, न्यायपालिका, मीडिया कृ सब उसके प्रभाव क्षेत्र में हैं। न्याय भी अब महंगा हो गया है कृ जैसे विवेक की जगह अब मूल्य (च्तपबम) ने ले ली हो। परंतु यह भी उतना ही सत्य है कि सत्य का दमन कभी स्थायी नहीं होता। धन के पास सत्ता है, पर सत्य के पास स्थायित्व। धन आकर्षक है, पर सत्य आत्मिक। धन बदलता है, सत्य बना रहता है। आधुनिक वैश्वीकरण के इस युग में जब सब कुछ खरीदा-बेचा जा सकता है, तब भी सत्य की किंमत लगाना असंभव है। अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कृ जो सत्य की खोज में नहीं है, वह जीवन की सबसे बड़ी यात्रा से वंचित है।रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में कृ सत्य ही ईश्वर का दूसरा नाम हैय जो सत्य को जानता है, वही ईश्वर को जानता है।आज का युग धन, सत्ता और प्रभाव का युग अवश्य है, पर वह मानवता का युग तभी बनेगा जब उसमें सत्य का आलोक व्याप्त होगा। सत्य जीवन का शाश्वत आधार है कृ यह किसी ग्रंथ, धर्म या राष्ट्र की सीमा में बंधा नहींय यह मानव चेतना की आत्मा है। स्वामी विवेकानंद के शब्दों में यदि तुम अखंड सत्य का पालन करो, तो कोई भी तुम्हें रोकने में समर्थ नहीं है। सत्य ही वह शक्ति है जो मानवता को जोड़ती है, उसका मार्ग आलोकित करती है और हर युग में उसे पुनः जाग्रत करती है। धन के युग में भी सत्य ही मानव सभ्यता का अंतिम और सर्वोच्च विजेता है।सत्यमेव जयते।

धर्मनिरपेक्ष दल भाजपा द्वारा अपनी राजनीति को बढ़ावा देने के लिए हिंदुत्व के इस्तेमाल का मुकाबला कैसे कर सकते हैं

एस आर दारापुरी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा राजनीति में हिंदुत्व के इस्तेमाल का मुकाबला करने के लिए धर्मनिरपेक्ष दलों और संगठनों को एक रणनीतिक, बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है जो वैचारिक और व्यावहारिक, दोनों पहलुओं को संबोधित करे। नीचे राजनीतिक गतिशीलता और ऐतिहासिक संदर्भ पर आधारित प्रमुख रणनीतियाँ दी गई हैं, जिन्हें धर्मनिरपेक्ष संस्थाएँ अपना सकती हैं।बहुलवाद के साथ विशिष्टता को चुनौती देंरू हिंदुत्व एक हिंदू-बहुसंख्यकवादी आख्यान को बढ़ावा देता है, जो अक्सर गैर-हिंदुओं को गौण नागरिक के रूप में प्रस्तुत करता है। धर्मनिरपेक्ष दल भारत की बहुलवादी विरासत, जो इसके संविधान, समन्वयकारी परंपराओं और विविध धर्मों के ऐतिहासिक सह-अस्तित्व में निहित है, पर जोर देकर इसका मुकाबला कर सकते हैं। अकबर, अशोक या गांधी जैसे आधुनिक नेताओं, जिन्होंने विविधता में एकता की वकालत की, को उजागर करें। केवल हिंदुत्व का विरोध करने के बजाय, विविधता में एकता के इर्द-गिर्द एक आकर्षक आख्यान गढ़ें जो भावनात्मक रूप से प्रतिध्वनित हो। भारत की बहु-धार्मिक, बहु-जातीय पहचान का जश्न मनाने के लिए नारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मीडिया अभियानों का उपयोग करें। धर्मनिरपेक्ष संदेश को स्थानीय बनाने के लिए केरल की मप्पिला संस्कृति या

तमिलनाडु के शैव-वैष्णव सह-अस्तित्व जैसे अंतर्धार्मिक सद्भाव को दर्शाने वाले क्षेत्रीय आख्यानों को बढ़ावा दें। हिंदुत्व की संगठनात्मक ताकत (जैसे, आरएसएस की शाखाओं) का मुकाबला करने के लिए धर्मनिरपेक्ष दलों को जमीनी स्तर के नेटवर्क में निवेश करना चाहिए। संवाद और विश्वास को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय गैर सरकारी संगठनों, सामुदायिक नेताओं और प्रगतिशील धार्मिक हस्तियों के साथ गठबंधन बनाएँ। हिंदुत्व अक्सर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण पर पनपता है। धर्मनिरपेक्ष संगठनों को अंतर्धार्मिक संवाद, सामुदायिक सेवा परियोजनाएँ और सांस्कृतिक उत्सव आयोजित करने चाहिए जो विभाजन को पाटें, खासकर सांप्रदायिक तनाव वाले क्षेत्रों में।सोशल मीडिया और शैक्षिक अभियानों के माध्यम से युवा मतदाताओं को शामिल करें जो आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा दें और विभाजनकारी बयानबाजी का पदार्फाश करें। धर्मनिरपेक्ष आवाजों को बुलंद करने और गलत सूचनाओं का मुकाबला करने के लिए ग जैसे प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करें। पहचान से हटकर कार्य-निष्पादन पर ध्यान केंद्रित करें। आंकड़ों और वास्तविक जीवन की कहानियों का उपयोग करके भाजपा की शासन संबंधी कमियोंकृबेरोजगारी, आर्थिक असमानता, या बुनियादी ढाँचे की कमियोंकृको उजागर करें। उदाहरण के लिए, 2024 में भारत की बेरोजगारी दर 8.1ः थी (ब्डप्म डेटा), जिसका युवाओं पर असमान रूप से प्रभाव पड़ा, जो भाजपा का एक प्रमुख मतदाता आधार है। समावेशी आर्थिक नीतियों पर जोर दें जो हाशिए पर पड़े समूहों, जिनमें निम्न-जाति के हिंदू भी शामिल हैं, को आकर्षित करें, जो हिंदुत्व से प्रभावित हो सकते हैं लेकिन आर्थिक बहिष्कार का सामना करते हैं। सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा या रोजगार सृजन जैसी नीतियाँ पहचान-आधारित लामबंदी को कमजोर कर सकती हैं। प्रतिक्रियात्मक सांप्रदायिक बयानबाजी से बचें, क्योंकि इससे उदारवादी मतदाताओं के अलग-थलग पड़ने और भाजपा की ध्रुवीकरण रणनीति में शामिल होने का जोखिम है। धार्मिक विमर्श पर हिंदुत्व के एकाधिकार का मुकाबला करने के लिए हिंदू धर्म के भीतर प्रगतिशील उदारवादी और सुधारवादी आवाजों का समर्थन करें। कबीर प्रोजेक्ट जैसे संगठनों या समावेशिता की वकालत करने वाले प्रगतिशील हिंदू विद्वानों को बढ़ावा दें। हिंदू प्रतीकों और कथाओं को बढ़ावा दें जो धर्मनिरपेक्ष मूल्यों से मेल खाते हों, जैसे कि रामायण के न्याय और करुणा के विषय, ताकि हिंदुत्व की आक्रामक व्याख्याओं को चुनौती दी जा सके। अल्पसंख्यक धार्मिक समूहों (मुस्लिम, ईसाई, सिख) के साथ गठबंधन बनाएँ ताकि एक संयुक्त मोर्चा बनाया जा सके, लेकिन यह सुनिश्चित करें कि संदेश उदार हिंदुओं को अलग-थलग न करे।

एक नायाब साल

पहली नजर में बड़े पद की चमक-दमक का अपना सम्मोहन होता है, लेकिन हकीकत में जिम्मेदारी-जवाबदेही व विपरीत चुनौतियों में सामंजस्य बैठाना कांटों का ताज पहनने जैसा ही होता है। अंतहीन जन-अपेक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरना उतना ही कठिन होता है। वैसे किसी सत्ता का एक साल बहुत लंबी अवधि नहीं होती। उसके आधार पर अंतिम मूल्यांकन करना भी जल्दबाजी ही कही जाएगी, लेकिन इससे किसी नेतृत्व या सरकार की दिशा-दशा को बोध तो हो जाता है। कमोबेश, यह कसौटी हरियाणा में एक साल पूरा कर रही नायब सैनी सरकार के लिये भी है। सामाजिक न्याय के समीकरण संतुलन की कवायद के क्रम में भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने वाले नायब सैनी की इस पद पर ताजपोशी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की पसंद रही है। जब नरेंद्र मोदी चंडीगढ़-हरियाणा में संगठन का दायित्व निभा रहे थे, तो सैनी उनके कार्यालय सहयोगी थे। इस मायने में बिना राजनीतिक व समृद्ध आर्थिक पृष्ठभूमि के राज्य के मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने को एक बड़ी कामयाबी कहा जा सकता है। उनके राजनीतिक विरोधी भी उनकी सदाबहार मुस्कान-विनोदप्रियता के कायल रहे हैं। वे विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं को सम्मान सार्वजनिक रूप से देते नजर आते हैं, लेकिन पिछले विधानसभा सत्र में मुद्दों पर विपक्षी नेताओं को आड़े हाथों लेने से भी वे नहीं चूके। वैसे तो उनके एक साल के कार्यकाल में कई चुनौतियां सामने आती-जाती रही हैं, लेकिन हाल ही में एडीजीपी वाई.पूरन कुमार व एएसआई संदीप लाठर की आत्महत्या ने सरकार के सामने असहज स्थिति व बड़ी चुनौती पेश की। हालांकि, देर से ही सही फौरी तौर पर मामले का पटाक्षेप हुआ, लेकिन इस दौरान मुख्यमंत्री ने मुद्दे की संवेदनशीलता को महसूस कर कदम बढ़ाए। एडीजीपी द्वारा आत्महत्या की खबर उन्हें जापान दौरे के दौरान मिली तो उन्होंने दौरे में शामिल उनकी पत्नी अमनीत को अधिकारियों के साथ तुरंत भारत भेजा। भारत आते ही खुद भी वे सीधे एडीजीपी के घर संवेदना व्यक्त करने पहुंचे, तो एएसआई संदीप लाठर के घर भी परिवार को संबल देने गए। बहरहाल, ट्रिपल इंजन सरकार का लाभ नायब सैनी को जरूर मिला है। कई विकास योजनाएं कायदे से सिरे चढ़ी हैं। लेकिन लाडो लक्ष्मी योजना ट्रंप कार्ड साबित हुई है। विधानसभा चुनावों में इस योजना के वायदे का छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र चुनावों की तर्ज पर हरियाणा में भी भाजपा को खासा लाभ मिला। मिले परिणामों ने तमाम कयासों को निरर्थक साबित किया। हर जरूरतमंद महिला को सरकार की तरफ से 21 सौ रुपये मिलना, उन्हें आर्थिक स्वावलंबन देना ही है। पहले चरण में बाइस लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। निस्संदेह, कमजोर वर्ग के लोगों के लिये अपनी छत का सपना पूरा करना एक दुष्कर कार्य है। हरियाणा सरकार ने दस हजार से अधिक आबादी वाले महाग्रामों में गरीबों को पचास-पचास गज व छोटे गांवों में सौ-सौ गज के प्लाट उपलब्ध कराये। शहरों में ये 25 गज के रहे। वहीं प्रधानमंत्री आवास निर्माण योजना के तहत मिलने वाले ढाई-ढाई लाख रुपये ने उनके घर के सपने को हकीकत बनाया। मुख्यमंत्री नायब सैनी की खासियत लोगों के साथ सहज उपलब्धता है। उनकी सुबह कबीर कुटीर में जन संवाद से शुरू होती है और रात फाइलों के साथ खत्म होती है। जनता के लिये सहज उपलब्धता और निरंतर संवाद लोकतंत्र की अपरिहार्य शर्त होती है। उनके चंडीगढ़ आवास में सुबह से ही मिलने वाले लोगों का तांता लगा रहता है। निस्संदेह, आम जन ही सरकार को बेहतर फीडबैक दे सकते हैं, जो नौकरशाही की जटिलताओं के चलते सहज अभिव्यक्ति नहीं दे पाते। बेरोजगारी की समस्या किसी भी सरकार के लिये बड़ी चुनौती होती है। राज्य में चौबीस हजार बेरोजगारों को ग्रुप सी की नौकरियां देना राज्य सरकार की उपलब्धि के तौर पर देखा गया। वहीं लोकसेवा आयोग के माध्यम से 1311 पदों पर चयन और एचकेआरएन पोर्टल को पारदर्शी भर्ती प्रणाली के रूप में विकसित करना, राज्य सरकार की रोजगार के साथ स्थायित्व की नीति का संकेत माना जा सकता है। विश्वास किया जाना चाहिए कि नायब सरकार आने वाले चार सालों में जनाकांक्षाओं की कसौटी पर पूरी तरह खरी उतर पाएगी।

क्रिकेटर की पत्नी अब गुजरात सरकार में संभालेंगी मंत्री पद, जामनगर उत्तर से हैं विधायक

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात में नए मंत्रिपरिषद का शुक्रवार को शपथ ग्रहण समारोह हुआ। क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा को भी मंत्रीपरिषद में जगह मिली है। जामनगर उत्तर विधानसभा का प्रतिनिधित्व करने वाली रिवाबा पहली बार विधायक बनी थीं और उन्होंने 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत दर्ज की थी। अब उन्हें मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की सरकार में मंत्री बनाया गया है। रिवाबा ने शुक्रवार को मंत्री पद की शपथ ली। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने 25 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई जिसमें रिवाबा जडेजा भी शामिल हैं। मालूम हो कि गुरुवार को गुजरात सीएम भूपेंद्र पटेल को छोड़कर मंत्रिपरिषद के अन्य सभी मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया था। रिवाबा के बारे में जानिए रिवाबा क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी हैं। दो नवंबर 1990 को रिवाबा का जन्म राजकोट में हुआ। पिता हरदेव सिंह सोलंकी और मां प्रफुल्लबा सोलंकी हैं।

दिवाली पार्टी में छाई मौनी रॉय और मृणाल ठाकुर

● साड़ी लुक में लगाया ग्लैमर का तड़का

बॉलीवुड के जाने-माने प्रोड्यूसर रमेश तौरानी की दिवाली पार्टी हर साल की तरह इस बार भी सितारों से सजी रही। बी-टाउन की ये सबसे चर्चित पार्टियों में से एक है, जहां हर साल फिल्मी जगत के बड़े-बड़े सितारे अपने ग्लैमरस और ट्रेडिशनल लुक्स के साथ चार चांद लगा देते हैं। इस बार की पार्टी में भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला। पार्टी में मृणाल ठाकुर और मौनी रॉय अपने ट्रेडिशनल लुक से सबका अटेंशन अपनी ओर खींचती दिखीं। अब उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब छाई हुई हैं। मौनी रॉय के लुक की बात करें तो पार्टी के लिए मौनी रॉय ने एक बेहद सॉफ्ट लैवेंडर कलर की शाइनी टिश्यू साड़ी का चुनाव किया। उनकी साड़ी पर गोल्डन और सिल्वर गोटा-पट्टी का शानदार काम किया गया था, जो उनके लुक को रॉयल टच दे रहा था। उन्होंने इस लुक को खुले बालों और एक खूबसूरत मांग-टीका के साथ कंप्लीट किया, जिससे उनका पारंपरिक लुक और भी निखर गया। मौनी ने अपने मिनिमल मेकअप और नैचुरल ग्लो से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। दूसरी ओर एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने अपनी सादगी और एलीगेंस से सभी को इम्प्रेस करती नजर आईं। उन्होंने पार्टी के लिए रॉयल ब्लू कलर की साटन प्लेन साड़ी पहनी, जिसे उन्होंने सीक्विन और मोतियों से जड़े डीप-नेक स्लीवलेस ब्लाउज के साथ पेयर किया। उनका ये लुक पारंपरिक होने के साथ-साथ मॉडर्न टच से भरपूर था। मृणाल ने अपने बालों को सॉफ्ट कर्ल्स में सेट किया और स्टेटमेंट ईयररिंग्स के साथ पूरे लुक को ग्रेसफुल अंदाज में कंप्लीट किया। फैंस को दोनों हसीनाओं का ये लुक काफी पसंद आ रहा है और दोनों एक्ट्रेस अपने लुक से एक-दूसरे को मात दे रही हैं।

रॉक बैंड किस के गिटारिस्ट ऐस फ्रेहले का निधन, 74 की उम्र में कहा दुनिया को अलविदा

रॉक बैंड किस प्रमुख गिटारवादक और संस्थापक सदस्य ऐस फ्रेहले अब इस दुनिया में नहीं रहे। फ्रेहले का 74 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। गिटारिस्ट के निधन की पुष्टि उनके परिवार और एजेंट ने की है। एजेंट ने बताया कि फ्रेहले ने न्यू जर्सी के मॉरिसटाउन में परिवार के बीच आखिरी सांस ली। ऐस फ्रेहले के परिवार ने एक बयान जारी कर लिखा-ग्रैमी पुरस्कार के लिए

नामांकित और रॉक एंड रोल हॉल ऑफ फेम में शामिल रॉक गिटारवादक और किस के प्रतिष्ठित संस्थापक सदस्य का आज 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। फ्रेहले का न्यू जर्सी के मॉरिसटाउन में उनके घर पर हाल ही में गिरने के बाद निधन हो गया। परिवार की तरफ से आगे लिखा गया, हम बेहद दुख में हैं और टूट गए हैं। सिर्फ इस मामले में खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उनके आखिरी पहलों में हम उनकी देखभाल कर सके। उनके आसपास रहे, उन्हें प्यार दे सके और उनके लिए प्रार्थना कर सके। अब हम उनकी मजबूती, लोगों के प्रति दया की भावना उनकी हंसी और खास पलों को याद करके अच्छा महसूस कर सकते हैं। ऐस फ्रेहले के निधन से म्यूजिक इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। फैंस और करीबी सोशल मीडिया पर उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि दे रहे हैं। बता दें, ऐस फ्रेहले अपने गैलेक्टिक मेकअप और स्मोकिंग गिटार के चलते दर्शकों के बीच लोकप्रिय थे। उनके हिट गानों में रॉक एंड रोल ऑल नाइट और श्आई वाज मेड फॉर लविन यू शामिल थे।

लाल परी बन दिवाली पार्टी में शामिल हुईं प्रियंका चोपड़ा

अपने लुक से बनाया हर किसी को दीवाना

दिवाली का त्योहार आते ही बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक रोशनी और रौनक का माहौल छा गया है। ऐसे में ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा जोनस भी पूरी तरह से सेलिब्रेशन मूड में नजर आ रही हैं। देसी गर्ल लगातार दिवाली पार्टियों में शिरकत कर रही हैं और अपने लुक से फैंस का दिल चुरा रही हैं। हाल ही में प्रियंका ने नए दिवाली पार्टी लुक की तस्वीरें आई हैं, जो आते ही इंटरनेट पर छा गई हैं। दरअसल, हाल ही में प्रियंका जॉनी वॉकर दिवाली बॉल में शामिल हुईं, जहां उन्होंने अपने लुक से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस मौके पर प्रियंका शिमरी रेड गाउन में लाल परी बन शामिल हुईं। सिंगल शोल्डर डिजाइन वाले इस गाउन पर बारीक कढ़ाई, मोती और चमकदार सीक्विन का काम किया गया था, जिसमें एक्ट्रेस का रॉय लुक देखने को मिला। प्रियंका ने अपने इस लुक को मिनिमल ज्वेलरी से बैलेंस किया। इसके साथ ही उन्होंने रेड हील्स, हल्का डायमंड ब्रेसलेट और छोटी सी डायमंड इयररिंग्स पहनी। मेकअप की बात करें तो प्रियंका ने रेड लिपस्टिक, शार्प आईलाइनर और

हल्का ग्लिटर बेस लगाया और बालों का खूबसूरत बन बनाकर लुक को कंप्लीट किया। इस दौरान प्रियंका की खूबसूरती देखते ही बन रही थी। प्रियंका चोपड़ा इन दिनों कई बड़े प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। वह अपनी सुपरहिट सीरीज सिटाडेल के सीजन 2 की शूटिंग कर रही हैं। साथ ही वह हॉलीवुड फिल्म द ब्लफ में 19वीं सदी की समुद्री डाकू का किरदार निभाती नजर आएंगी। इसके अलावा वह भारत के निर्देशक एस.एस. राजामौली और एक्टर महेश बाबू के साथ एक ग्लोबल प्रोजेक्ट ग्लोबट्रॉटर में भी काम कर रही हैं।

न्यायिक हिरासत में भेजे गए जुबीन गर्ग की मौत मामले के दो आरोपी, जांच में लग सकता है तीन महीन से अधिक वक्त

दिवंगत सिंगर और सॉन्गराइटर जुबीन गर्ग की मौत मामले में जांच जारी है। इस मामले में दो कथित आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इसके अलावा सिंगापुर पुलिस ने भी जांच को लेकर टिप्पणी की है। लोकप्रिय असमिया सिंगर जुबीन गर्ग के मौत मामले में दो आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, सिंगर के दो बैंड सदस्यों शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृतप्रभा महंत को पिछले महीने सिंगापुर में हुई गायक की मौत के सिलसिले में 14 दिनों की पुलिस रिमांड समाप्त होने के बाद शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सिंगापुर पुलिस ने की टिप्पणी इसके अलावा दिवंगत सिंगर की मौत के मामले की जांच को लेकर सिंगापुर पुलिस ने शुक्रवार को टिप्पणी करते हुए कहा कि मौत की जांच में तीन महीने का समय लग सकता है, जिसके बाद आगे की कार्यवाही के लिए जांच के निष्कर्ष राज्य कोरोनर को सौंप दिए जाएंगे। अब तक सात लोग गिरफ्तार गोस्वामी और महंत दोनों को विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा कई दिनों की पूछताछ के बाद 3 अक्तूबर को गिरफ्तार किया गया था और 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। इस मामले में 01 अक्तूबर से अब तक एसआईटी द्वारा कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बता दें कि जुबीन गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर में कथित तौर पर स्कूबा डाइविंग के दौरान मौत हो गई थी। सिंगापुर पुलिस ने क्या कहा? सिंगापुर पुलिस बल (एसपीएफ) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि गर्ग की मौत की जांच में लगभग तीन महीने और लग सकते हैं। बयान में कहा गया है कि एसपीएफ की जांच पूरी होने पर निष्कर्ष सिंगापुर में राज्य कोरोनर को सौंपे जाएंगे, जो यह तय करेंगे कि कोरोनर जांच (सीआई) की जानी चाहिए या नहीं। कोरोनर जांच एक न्यायिक अधिकारी द्वारा मृत्यु के कारण और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए की जाने वाली एक तथ्य-खोज प्रक्रिया है, जिसके निष्कर्ष समाप्त होने पर सार्वजनिक किए जाते हैं।

थामा की एडवांस बुकिंग शुरू, दिवाली पर होगा बड़ा धमाका

दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स की आने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म थामा ने एडवांस बुकिंग के साथ ही धमाकेदार शुरूआत कर दी है। सुबह से खुले एडवांस बुकिंग स्लॉट्स में टिकट्स तेजी से बिक रहे हैं और बड़े शहरों में

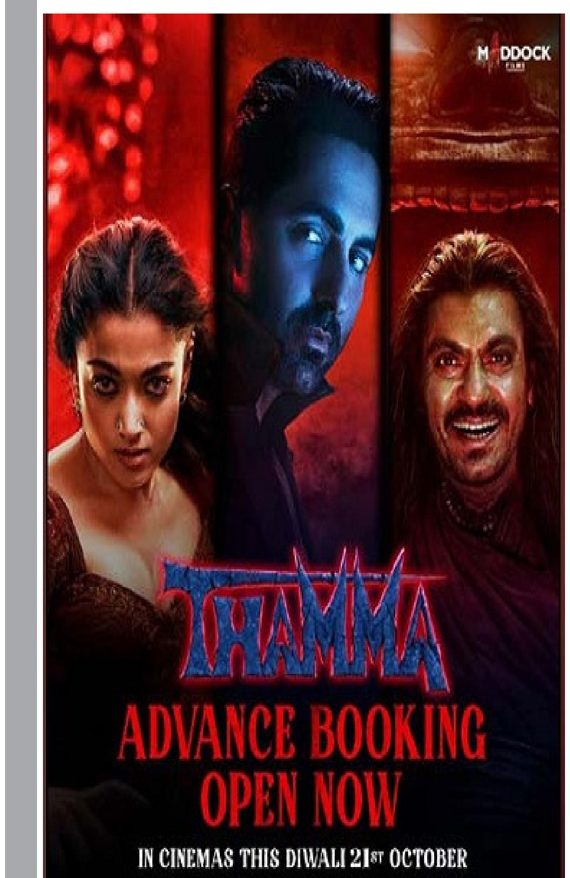

शो लगभग फुल हो रहे हैं। आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे दमदार सितारों से सजी यह फिल्म, मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की नई पेशकश है। इससे पहले इसी यूनिवर्स की स्त्री, भेड़िया और मुनज्या जैसी फिल्में हिट हो चुकी हैं। इस बार निर्देशक आदित्य सपोर्तेदार हॉरर, कॉमेडी और रोमांस का ऐसा मिश्रण लेकर आए हैं, जो दर्शकों को खूब भा रहा है। ट्रेड एनालिस्ट तरन आदर्श के मुताबिक, थामा में एक परफेक्ट फेस्टिव एंटरटेनर बनने के सभी गुण हैं। एडवांस बुकिंग शानदार रही है और बज अब दर्शकों को थिएटर तक खींच रहा है। मैडॉक यूनिवर्स और दिवाली रिलीज का फायदा इसे जरूर मिलेगा। वहीं, बुक माय शो के ओटीटी आशीष सक्सेना ने बताया, के लिए टिकट सेल्स ने जोरदार शुरूआत की है। मेट्रो और टियर-2 शहरों में लगातार अच्छी ट्रैक्शन दिख रही है। दर्शक दिवाली पर एक बड़े पर्दे के मनोरंजन की तलाश में हैं और जेंउउं वही वादा करती है। फिल्म के म्यूजिक और प्रोमो को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा है। दिवाली वीकेंड और बढ़ती एडवांस बुकिंग से साफ है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जोरदार ओपनिंग करने को तैयार है। थामा आने वाली 21 अक्टूबर 2025 दिवाली पर, वर्ल्डवाइड रिलीज होगी।

चार महीने में तीसरी बार कपिल शर्मा के कैफे पर हुई फायरिंग, हमले का वीडियो हुआ वायरल

कनाडा के सरे स्थित हास्य अभिनेता कपिल शर्मा के कप्स कैफे में चार महीने से भी कम समय में गोलीबारी की तीसरी घटना सामने आई। गुरुवार को सोशल मीडिया पर तीन सेकंड का एक वीडियो क्लिप वायरल हुआ, जिसमें

एक वाहन से कैफे पर कई राउंड फायरिंग होती दिखाई दे रही है। हालांकि, इस क्लिप की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं हो सकी है।वीडियो में साफ तौर पर एक शूटर गाड़ी के अंदर से कैफे के शीशे पर लगातार गोलियां चलाते हुए दिखाई दे रहा है। घटना के बाद, सोशल मीडिया पर कुलवीर सिद्धू नाम के एक व्यक्ति के नाम से एक पोस्ट का स्क्रीनशॉट अपलोड किया गया (जिसकी प्रामाणिकता भी सत्यापित नहीं हो पाई है, जिस पर लॉरेंस बिश्नोई की तस्वीर लगी थी। पोस्ट में, गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के साथी कुलवीर सिद्धू और गोल्डी ढिल्लों ने गोलीबारी की जिम्मेदारी ली थी। कथित तौर पर, इसमें लिखा था-वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह। आज कप्स कैफे, सरे में हुई गोलीबारी मैंने, कुलवीर सिद्धू और गोल्डी ढिल्लों ने की थी। हमें आम जनता से कोई दुश्मनी नहीं है। जो लोग हमारे कर्जदार हैं या हमें धोखा दे रहे हैं, उन्हें चेतावनी दी जाएगी। बॉलीवुड के जो लोग हमारे धर्म के खिलाफ बोलते हैं, वे भी तैयार रहेंय गोलियां कहीं से भी आ सकती हैं।ष यह भी कहा गया था कि लोगों को उन लोगों से दूर रहना चाहिए जिनसे उन्हें कोई समस्या है। वीडियो में कहा गया- जो लोग अवैध गतिविधियों में शामिल हैं और काम पूरा होने के बाद भी भुगतान नहीं करते, उन्हें भी कार्रवाई के लिए तैयार रहना चाहिए। कहा जा रहा है कि बॉलीवुड का जिक्र एक मशहूर हीरो की वजह से है, क्योंकि कपिल शर्मा उनके करीबी बताए जाते हैं। पता चला है कि अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं। इससे पहले, 10 जुलाई और 7 अगस्त को कैफे में गोलीबारी हुई थी, जिसमें खिड़कियां टूट गई थीं, लेकिन किसी के घायल होने की खबर नहीं आई थी। हाल ही में सरे की मेयर ब्रेंडा लॉक के कैफे का दौरा करने के बाद कैफे को फिर से खोल दिया गया।

लगातार तीसरे दिन बाजार में हरियाली, सेंसेक्स 484 अंक चढ़ा, निफ्टी 25700 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 484.53 अंक उछलकर 83,952.19 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 124.55 अंक की बढ़त के साथ 25,709.85 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हरे निशान पर बंद हुआ। ब्लू-चिप बैंकिंग और तेल शेयरों में लिवाली तथा विदेशी पूंजी प्रवाह के कारण लगातार तीसरे दिन इनमें तेजी जारी रही। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 484.53 अंक या 0.58 प्रतिशत उछलकर 83,952.19 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 704.58 अंक या 0.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ 84,172.24 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 124.55 अंक या 0.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,709.85 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट्स में सबसे ज्यादा 4.18 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी बढ़त में रहे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निम्न कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

01	कार्य का नाम	मॉडिफिकेशन इन चैन लॉकिंग अरेंजमेंट फॉर मिडिल बर्थ ऑफ ए.सी. एन्ड नॉन – ए.सी. कोचेस।
02	कार्यस्थल	सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ
03	अनुमानित लागत	रु. 96,76,000/– मात्र।
04	निविदा प्रपत्र का मूल्य	शून्य
05	बिड सिक्युरिटी	रु. 1,93,500/– मात्र।
06	कार्य पूर्ण करने की अवधि	02 वर्ष।
07	निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	दिनांक– 28.10.2025 समय 15:00 बजे तक
08	प्रमाणपत्र	फर्म के सभी members द्वारा ANNEXURE-A (यदि Company/Proprietorship फर्म है) के साथ Annexure-A(a) (यदि Partnership/HUF/JV/LLP फर्म है) के अनुरूप प्रमाणपत्र अवश्य अपलोड किया जाना चाहिए।
09	खुलने का समय	निविदा फॉर्म जमा होने के पश्चात निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा। निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है।
10	कार्यालय जहां से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है	निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तों सहित वेबसाइट– www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
11	वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है	

निविदा सूचना सं.: 2025–ए.एम.वी.–सी एंड डब्लू–ईनिविदा–62 दिनांक: 12.10.2025
3210/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हंगरी में ट्रंप-पुतिन की मुलाकात से पीएम ओर्बान खुश

बोले- हम यूरोप के एकमात्र शांति समर्थक देश

बुडापेस्ट (एजेंसी)। ट्रंप ने गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ इस साल अपनी दूसरी मुलाकात की घोषणा की। मुलाकात की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन ट्रंप ने कहा कि यह मुलाकात हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में होगी। उन्होंने संकेत दिए कि यह मुलाकात लगभग दो हफ्तों में हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच होने वाली आगामी वार्ता के बुडापेस्ट में होने पर हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बान ने खुशी जाहिर की। इस मुलाकात में दोनों नेताओं के बीच यूक्रेन में युद्ध की समाप्ति पर चर्चा हो

सकती है। दोनों नेताओं की हंगरी में मुलाकात पर खुशी जताते हुए प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बान ने कहा कि यूरोप में हंगरी ही एकमात्र जगह है, जहां इस तरह की अहम बैठक हो सकती है। 'हंगरी एकमात्र शांति समर्थक देश' शुक्रवार को सरकारी रेडियो से बात करते हुए, यूरोपीय संघ में पुतिन के सबसे करीबी सहयोगी माने जाने वाले विक्टर ओर्बान ने कहा कि 'बुडापेस्ट आज यूरोप में एकमात्र ऐसी जगह है जहां इस तरह की बैठक हो सकती है, इसलिए क्योंकि हंगरी एकमात्र शांति समर्थक देश है।' उन्होंने आगे कहा, 'तीन वर्षों से, हम एकमात्र ऐसे देश रहे हैं जिसने लगातार, खुले तौर पर, शांति की वकालत की है।' ट्रंप ने गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ इस साल अपनी दूसरी मुलाकात की घोषणा की। मुलाकात की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन ट्रंप ने कहा कि यह मुलाकात हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में होगी। उन्होंने संकेत दिए कि यह मुलाकात लगभग दो हफ्तों में हो सकती है। विक्टर ओर्बान ने पश्चिम द्वारा यूक्रेन को सैन्य और वित्तीय सहायता देने का विरोध किया और अपनी सीमाओं से यूक्रेन को सैन्य और वित्तीय आपूर्ति के स्थानांतरण की सुविधा देने से इनकार कर दिया। ओर्बान ने मास्को के विरुद्ध यूरोपीय संघ के कुछ प्रतिबंधों को वीटो करने की धमकी दी है और कीव को यूरोपीय संघ से यूक्रेन को वित्तीय मदद मिलने में भी बाधा डाली। अगस्त में अलास्का में हुई थी पुतिन और ट्रंप की मुलाकात इससे पहले अगस्त में ट्रंप और पुतिन की अमेरिका के अलास्का में मुलाकात हुई थी। हालांकि उस बैठक में यूक्रेन युद्ध की समाप्ति को लेकर कोई सहमति नहीं बन सकी थी। बुडापेस्ट, जहां ट्रंप-पुतिन बैठक हो रही है, प्रतीकात्मक महत्व रखता है। साल 1994 में हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में ही अमेरिका, ब्रिटेन और रूस ने कीव द्वारा अपने परमाणु हथियार त्यागने के बदले यूक्रेन को संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का आश्वासन दिया था। हालांकि 2014 में रूस ने यूक्रेन के क्रीमिया पर कब्जा करके इस समझौते को तोड़ दिया।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/फ्रेट, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल–वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	MSS-LKO-RBL-PS-122-25-1 (Misc-Static-Services-Parcel Scanner)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	06.10.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.10.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	22.10.2025 at 11:30 hrs.
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	MSS-LKO-PYGS-PS-126-25-1 (Misc-Static-Services-Parcel Scanner)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	06.10.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.10.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	22.10.2025 at 11:40 hrs.
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	MSS-LKO-SLN-PS-129-25-1 (Misc-Static-Services-Parcel Scanner)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	06.10.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.10.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	22.10.2025 at 11:50 hrs.
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	MSS-LKO-MBDP-PS-125-25-1 (Misc-Static-Services-Parcel Scanner)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	06.10.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.10.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	22.10.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	MSS-LKO-JNU-PS-121-25-1 (Misc-Static-Services-Parcel Scanner)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	06.10.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.10.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	22.10.2025 at 12:10 hrs.
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	MSS-LKO-SHG-PS-127-25-1 (Misc-Static-Services-Parcel Scanner)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	06.10.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.10.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	22.10.2025 at 12:20 hrs.
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहॉ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

3214/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बाल-बाल बची मैक्रों की सरकार

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस का ताजा सियासी संकट फिलहाल टल गया है, क्योंकि प्रधानमंत्री सेबस्टियन लेकोर्नु गुरुवार को लगातार अविश्वास प्रस्तावों से बच गए। इससे सरकार गिरने का खतरा टल गया और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को कुछ समय के लिए राहत मिल गई। हालांकि, अब भी देश का बजट पारित कराना असली चुनौती है। हालात में थोड़ी स्थिरता जरूर आई है। लेकिन संकट पूरी तरह टला नहीं है। यूरोप की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अब भी एक अल्पमत वाली सरकार चला रही है। ससंद में कोई एक पार्टी या गठबंधन बहुमत में नहीं है। अब हर बड़ा कानून आखिरी समय पर होने वाली सौदेबाजी पर निर्भर हो गया है और अगली बड़ी परीक्षा सालाना बजट पारित कराना है, जिसे साल खत्म होने से पहले पास करना जरूरी है। गुरुवार को 577 सीटों वाली नेशनल असेंबली में सांसदों ने वामपंथी पार्टी 'फ्रांस अनबोउड' की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया। प्रस्ताव के पक्ष में 271 वोट पड़े, जो सरकार गिराने के लिए जरूरी 289 वोटों से 18 कम थे। दूसरा अविश्वास प्रस्ताव दक्षिणपंथी पार्टी 'नेशनल रैली' की ओर से लाया गया, जो विफल हो गया। अगर लेकोर्नू यह वोट हार जाते, तो राष्ट्रपति मैक्रों के सामने नए संसदीय चुनाव कराने, एक और नया प्रधानमंत्री खोजने (जो एक साल में फ्रांस का पांचवां प्रधानमंत्री होता) या खुद इस्तीफा देने जैसे कुछ ही कठिन और अप्रिय विकल्प बचते, जिससे वह पहले ही इनकार कर चुके हैं। फ्रांस इस स्थिति तक कैसे पहुंचा? जून 2024 में राष्ट्रपति मैक्रों द्वारा नेशनल असेंबली को भंग करने का फैसला उनके लिए उल्टा साबित हुआ। इसके बाद जो संसदीय चुनाव हुए, उसमें निचले सदन में मैक्रों के विरोधी नेता तो बड़ी संख्या में चुनकर आ गए, लेकिन किसी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। तबसे मैक्रों की अल्पमत सरकार एक-एक विधेयक के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश कर रही है और लगातार गिर जा रही है। यह स्थिति फ्रांस की 'पांचवीं गणराज्य' की राजनीतिक व्यवस्था से मेल नहीं खाती है, जिसकी नींव 1958 में शार्ल द गॉल के नेतृत्व में रखी गई थी। यह व्यवस्था एक मजबूत राष्ट्रपति और स्थिर संसद के बहुमत के लिए बनाई गई थी, न कि गठबंधन की सौदेबाजी या बिखरी हुई संसद के लिए। अब जब कोई भी एक दल या गठबंधन 289 सीटों के पूर्ण बहुमत के करीब भी नहीं है, तो यह पूरी राजनीतिक व्यवस्था अपनी मूल संरचना के खिलाफ जाकर काम कर रही है। हर बड़ा वोट एक तनावपूर्ण मुकाबला बना रहा है और फ्रांस की शासन व्यवस्था को लेकर बुनियादी सवाल उठ रहे हैं। फ्रांसीसी मतदाताओं और पर्यवेक्षकों के लिए यह स्थिति चौंकाने वाली है।

यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें देने को तैयार नहीं ट्रंप, आज जेलेंस्की से मुलाकात से पहले दिए संकेत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और उनके अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप की आज व्हाइट हाउस में बैठक होनी है। लेकिन उससे पहले ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि उनका देश यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें नहीं देगा। रूस के खिलाफ जंग में यूक्रेन के लिए ये मिसाइलें महत्वपूर्ण हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और उनके अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप की शुक्रवार को व्हाइट हाउस में मुलाकात होने वाली है। लेकिन उससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिए हैं कि वह कीव को लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइलें भेजने के लिए तैयार नहीं हैं, जिनकी यूक्रेन को जंग में काफी जरूरत है। जेलेंस्की की यह मुलाकात ऐसे समय हो रही है, जब ट्रंप ने एक दिन पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर युद्ध को लेकर लंबी बातचीत की है। हाल के दिनों में ट्रंप यूक्रेन को टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें बेचने पर सहमति जताते दिखे थे। जबकि पुतिन ने चेतावनी दी थी कि

इस कदम से अमेरिका और रूस के संबंध और खराब होंगे। लेकिन पुतिन से फोन पर बातचीत के बाद ट्रंप ने यूक्रेन को मिसाइलें मिलने की संभावना को कम कर दिया। उन्होंने कहा, हमें अमेरिका के लिए भी टॉमहॉक मिसाइलों की जरूरत है। हमारे पास बहुत सारी हैं, लेकिन हम उन्हें पूरी तरह खत्म नहीं करना चाहते। जेलेंस्की उन हथियारों की मांग कर रहे थे, जिनसे यूक्रेनी सेना रूसी इलाके में भीतर तक हमले कर सके और प्रमुख सैन्य ठिकानों, ऊर्जा केंद्रों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बना सके। उनका मानना है कि इस तरह के हमलों से पुतिन युद्ध समाप्ति के लिए सीधे वार्ता करने पर मजबूर होंगे। पुतिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा, पुतिन ने फोन पर चेतावनी दी है कि टॉमहॉक मिसाइलें देने से क्षेत्र की स्थिति नहीं बदलेगी, लेकिन हमारे देशों के बीच संबंधों को गंभीर नुकसान होगा। ट्रंप और जेलेंस्की की यह जनवरी के बाद चौथी आमने-सामने की बैठक होगी और एक महीने से भी कम समय में दूसरी बार होगी। ट्रंप ने पुतिन से फोन पर बातचीत के बाद कहा कि वह जल्द ही हंगरी के बुडापेस्ट में रूसी नेता से मुलाकात करेंगे, ताकि जंग को खत्म करने पर चर्चा हो सके। दोनों ने अपने वरिष्ठ सहयोगियों से भी अगले सप्ताह किसी अनिश्चित स्थान पर मिलने पर सहमति जताई।

दीवाली-छठ पर आसमान छू रहे हवाई किराए, होटल बुकिंग में भी 25 फीसदी तक आया उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीवाली और छठ के मौके पर अपने घर लौटने और छुट्टियां बिताने वालों की संख्या तेजी से बढ़ गई है। त्योहार के दौरान बड़ी संख्या में लोग काम से छुट्टी लेकर न सिर्फ अपने परिवार से मिलने जा रहे हैं, बल्कि कई लोग पर्यटन और धार्मिक स्थलों की ओर भी रुख कर रहे हैं। बढ़ती यात्रा मांग का असर अब हवाई किरायों और होटल बुकिंग पर साफ दिख रहा है। लोकप्रिय रूटों पर हवाई टिकटों के दाम बढ़ गए हैं, वहीं होटल कमरों की मांग में भी पिछले साल की तुलना में 20 से 25 फीसदी तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ट्रेवल एजेंसियों के अनुसार, हैदराबाद से नागपुर और कोलकाता जाने वाली उड़ानों के किरायों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आमतौर पर इन रूटों पर टिकट 4,500 से 6,500 रुपये तक मिल जाते थे, लेकिन अब दाम बढ़कर 11,500 से 16,500 रुपये तक पहुंच गए हैं। हैदराबाद से दिल्ली के लिए किराया भी 5,500-8,500 रुपये से बढ़कर 8,500-18,500 रुपये के बीच पहुंच गया है। इसमें सबसे दिलचस्प बात यह है कि हवाई किरायों में यह उछाल दीवाली सप्ताह (20 अक्टूबर से शुरू) से करीब

दो से तीन महीने पहले ही देखने को मिला, यानी यात्रियों ने काफी पहले से अपनी यात्रा की अग्रिम बुकिंग कर ली थी। बेंगलुरु, मुंबई, पुणे, चेन्नई, हैदराबाद और अहमदाबाद जैसे शहरों से इंदौर आने वाली उड़ानों के किराए में सबसे ज्यादा उछाल देखा गया है। 15 अक्टूबर से 20 अक्टूबर के बीच, इंदौर के लिए फ्लाइट टिकट की कीमतें 12,000 रुपये से 15,000 रुपये तक पहुंच गईं। जबकि सामान्य दिनों में ये कीमतें 4,000 रुपये से 6,000 रुपये के बीच होती हैं। जबकि लखनऊ से मुंबई जाने वाली इंडिगो की 26 अक्तूबर को सीधी उड़ान का किराया 24336 रुपये पहुंच गया है। एअर इंडिया एक्सप्रेस की सीधी उड़ान 22085 रुपये और एअर इंडिया की सीधी उड़ान 25723 रुपये में है। लखनऊ से दिल्ली की एअर इंडिया की एक अन्य सीधी उड़ान 15523 रुपये में, इंडिगो की सुबह रवाना होने वाली फ्लाइट का टिकट 8248 रुपये पहुंच गया है। हालांकि, त्योहार से ठीक पहले डीजीसीए ने एयरलाइंस को सलाह दी थी कि वे बढ़ती मांग को देखते हुए अतिरिक्त उड़ानें शुरू करें। इसके बाद इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी प्रमुख एयरलाइंस ने मिलकर करीब 1700 नई उड़ानों की घोषणा की थी। इस पूरी अवधि में डीजीसीए टिकट दरों और उड़ान संचालन पर सख्त नजर भी रखे हुए है। बावजूद इसके हवाई किराया बढ़ रहा है। हवाई किराया बढ़ने के यह है कारण एविएशन विशेषज्ञों का कहना है कि इस भारी बढ़ोतरी के पीछे मुख्य कारण है अत्यधिक मांग और सीमित सीटें है। त्योहारों में बड़ी संख्या में लोग उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड, दिल्ली, मुंबई की ओर यात्रा करते हैं। एयरलाइंस डायनामिक प्राइसिंग सिस्टम के तहत किराया तय करती हैं, जिसमें टिकट की कीमत सीटों की उपलब्धता और मांग के अनुसार बढ़ती जाती है। जैसे-जैसे उड़ानों की सीटें भरती हैं, बाकी बची सीटों के दाम स्वतः बढ़ जाते हैं। त्योहारों के दौरान एयरलाइंस को यात्रियों की जबरदस्त भीड़ मिलती है। इस समय वे अधिकतम कमाई के लिए किराए बढ़ा देती हैं। जब तक हवाई किराए पर कोई मूल्य नियंत्रण नहीं लगाया जाता, ऐसी स्थिति हर साल देखने को मिलेगी।

भारतीय रेल

"सार्वजनिक सूचना"

रेलवे एवं परिसरों के सभी उपभोक्ताओं को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि रेलवे के निम्नलिखित खंड पर 25000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज ए. सी. सिरोपरि कर्षण तारों को खंड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या उसके बाद में ऊर्जित किया जाएगा। उस तारीख को और उस तारीख से सिरोपरि कर्षण लाइन को सभी समय हमेशा के लिए विद्युतीकृत माना जाएगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उस सिरोपरि लाइन के समीप दाखिल होने या काम करने नहीं जाएगा।

सेक्शन (खण्ड)	मण्डल (डिवीजन)	दिनाँक
लखनऊ मंडल, उत्तर रेलवे के लखनऊ–कानपुर खंड पर गति क्षमता को 160/200 किमी प्रति घंटे तक बढ़ाने के संबंध में नया वंदे भारत निरीक्षण शेड और स्टैबलिंग लाइन का निर्माण लोकेशनसं. किमी 1075/24 (चेनज 1075/350.000) से किमी LKO/VB-01 (चेनज 1073/613.000) तक, संबंधित टर्नआउट्स और क्रॉसओवर्स सहित।	लखनऊ	25.10.2025

उप मुख्य विद्युत् अभियंता (निर्माण)
उ. रे. लखनऊ

25 केवी एसी ट्रैक्शन लाइन का आरंभ

"सड़क उपयोगकर्ताओं हेतु अधिसूचना"

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि रेल खंड "लखनऊ मंडल, उत्तर रेलवे के लखनऊ– कानपुर खंड पर गति क्षमता को 160/200 किमी प्रति घंटे तक बढ़ाने के संबंध में नया वंदे भारत निरीक्षण शेड और स्टैबलिंग लाइन का निर्माण लोकेशनसं. किमी 1075/24 (चेनज 1075/350.000) से किमी LKO/VB-01 (चेनज 1073/613.000) तक, संबंधित टर्नआउट्स और क्रॉसओवर्स सहित" पर 25 केवी विद्युत ट्रैकशन का शुभारंभ किया जाएगा। सभी समपार फाटक हाइट गेज़ का निर्माण सड़क की सतह से स्पष्ट अधिकतम ऊंचाई **4.78** मीटर पर अत्यधिक ऊंचाई भारों को ट्रैक्शन लाइन **(कांटेक्ट तार), जो की समपार फाटक पर रेल लेवल से 5.5 मीटर न्यूनतम ऊंचाई पर हो,** के खतरनाक संपर्क में आने से बचाव के उद्देश्य से किया गया है।

"एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भारित वाहनों के लिए उपर्युक्त निर्धारित ऊंचाई का अवलोकन करें तथा यह भी ध्यान रखें कि सड़क वाहनों में लदा हुआ भार हाइट गेज में किसी भी परिस्थिति में न टकराए।

अधिक ऊँचे भार से निम्न खतरे हैं:

1. हाइट गेज को नुकसान और तत्पश्चात सड़क व रेल लाइन का अवरोध।
2. स्वयं वाहन अथवा ले जाये जाने वाले सामान अथवा उपकरण को ख़तरा।
3. बिजली के तारों से संपर्क अथवा खतरनाक समीपता के कारण आग फैलने व जान माल को ख़तरा।

उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण)
उत्तर रेलवे, लखनऊ

No. 135/Elect./C/Dy.CEE/LKO/Warning/2 Date:- 04.10.2025
3212/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: DCE-BL-09-2025

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु ई-निविदा आमन्त्रित करते हैं:–

क्रम सं.-1, ई-निविदा सं.-DCE-BL-09-2025, कार्य का विवरण: पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल के बिन्दौरा एवं बक्शी का तालाब स्टेशनों पर फुट ओवर ब्रिज का प्रावधान। अनुमानित लागत: ₹ 1,35,44,751.04, बयाने की राशि: ₹ 2,17,700.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने के तिथि से कार्य की समापन अवधि: 06 (छ:) माह।

• ई-निविदा खुलने की तिथि: दिनांक 10-11-2025 को 11:00 बजे। • ई-निविदा की प्राप्ति की तिथि: दिनांक 10-11-2025 को 10:59 बजे तक। • ई-निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण वेबसाईट *www.ireps.gov.in* पर उपलब्ध है।

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन
मुजाधि/डब्लू-298 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

मेडागास्कर में तख्तापलट के बाद सेना के कर्नल ने संभाला राष्ट्रपति पद

संयुक्त राष्ट्र ने की निंदा

एंटानानारिवो (एजेंसी)। मेडागास्कर में तख्तापलट के बाद सेना के कर्नल ने राष्ट्रपति का पद संभाल लिया है। बता दें कि, द्विपीय देश में 1960 में आजादी के बाद से कई बार तख्तापलट हो चुका है। मौजूदा तख्तापलट भी इस राजनीतिक अस्थिरता की एक और कड़ी है। खुद पूर्व राष्ट्रपति राजोएलीना भी 2009 में सैन्य समर्थन से सत्ता में आए थे। अफ्रीका के पूर्वी तट के पास बसे द्वीपीय देश मेडागास्कर में सैन्य तख्तापलट के बाद सेना के एक कर्नल ने सत्ता संभाल ली है। कर्नल माइकल रैंड्रियनिरीना ने शुक्रवार को राष्ट्रपति पद की शपथ ली। संयुक्त राष्ट्र ने इस सैन्य कब्जे की कड़ी निंदा की है। कर्नल रैंड्रियनिरीना ने सिर्फ तीन दिन पहले घोषणा की थी कि सेना देश की बागडोर संभालेगी। गुरुवार को उन्हें औपचारिक रूप से संवैधानिक न्यायालय में राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर सैन्य

अधिकारियों, सरकारी प्रतिनिधियों और विदेशी राजनयिकों ने भाग लिया। कैसे हुआ सत्ता परिवर्तन? पिछले तीन हफ्तों से युवाओं के नेतृत्व में सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन चल रहे थे। प्रदर्शनकारियों की मुख्य शिकायतें थीं, पानी और बिजली की कमी, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार। इसी माहौल में कर्नल रैंड्रियनिरीना ने राष्ट्रपति एंड्री राजोएलीना के खिलाफ बगावत कर दी और उनके समर्थक सैनिकों को पीछे धकेलते हुए सत्ता पर कब्जा कर लिया। देश छोड़कर राष्ट्रपति भागे, संसद ने हटाया इस दौरान राष्ट्रपति राजोएलीना देश छोड़कर भाग गए। रिपोर्टों के अनुसार, वे एक फ्रांसीसी सैन्य विमान से निकले। संसद ने उनके खिलाफ महाभियोग चलाकर पद से हटा दिया।

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।